राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण बुधवार, 22 दिसंबर-2021 वर्ष-4,अंक-329 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में सरथाना नेचर पार्क के पीछे तापी नदी के किनारे

खान-खनिज विभाग की लापरवाही से रोजना 25 लाख से अधिकांश अवैध रेती खनन की शिकायत पुलिस ने किया छापामारी

क्रांति समय,सूरत

सूरत में तापी नदी में रेत चोर भले ही खुलेआम लूटपाट कर रहे हैं, लेकिन भूगर्भ विभाग के अधिकारी गहरी नींद में हैं. भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण वह नहीं कर रहा है जो उसे करना चाहिए था, और इसके कारण तापी नदी से रेत की अवैध चोरी हो रही है। सरथाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना की जांच शुरूकर दी है। पुलिस ने भूगर्भ विभाग के अधिकारियों को सूचना दी।

अंधेरे में बालू खनन की कार्यप्रणाली सूरत के तापी तट पर हर माह लाखों रुपये का अवैध खनन हो रहा है। भूवैज्ञानिक विभाग द्वारा जिन नियमों का पालन किया जाना चाहिए, उनका पालन नहीं किया जा रहा है और इसके कारण यांत्रिक बोर्डों द्वारा तापी नदी से रेत चोरी की कई घटनाएं हुई हैं। सरथाना नेचर पार्क के पास यांत्रिक नाव से भारी मात्रा में रेत चोरी हो गई। पुलिस मौके पर पहुंची तो पुलिस ने भूविज्ञान एवं दमकल विभाग की टीम को सूचना दी। रेत खनन माफिया तापी नदी के बीच में यांत्रिक नावें लगाते हैं और रात में अंधेरे में रेत खनन के अपने तौर-तरीकों के अनुसार अवैध रेत खनन करते हैं।

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण अपनी आँखें नहीं खोल रहा है। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण को शिकायतें मिली हैं कि सूरत शहर और जिले में तापी नदी के किनारे से करोड़ों रुपये की रेत चोरी हो रही है। यह आश्चर्य की बात है। सरथाना नेचर पार्क के पीछे भी ऐसी ही शिकायतें मिलीं लेकिन भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण टीम ने कोई गंभीर कार्रवाई नहीं की। इतना ही नहीं सूरत के पाल इलाके भाठा के अंदर भी बालू खनन हो रहा है लेकिन भूविज्ञान विभाग की आंखें नहीं खुल रही हैं.

भूविज्ञान विभाग की एक अधिकारी सुनीता अरोड़ा से बातचीत के मुताबिक उन्होंने कहा कि वह आज खुद गांधीनगर में हैं. उन्होंने जानकारी के आधार पर जांच की है कि सरथाना नेचर पार्क

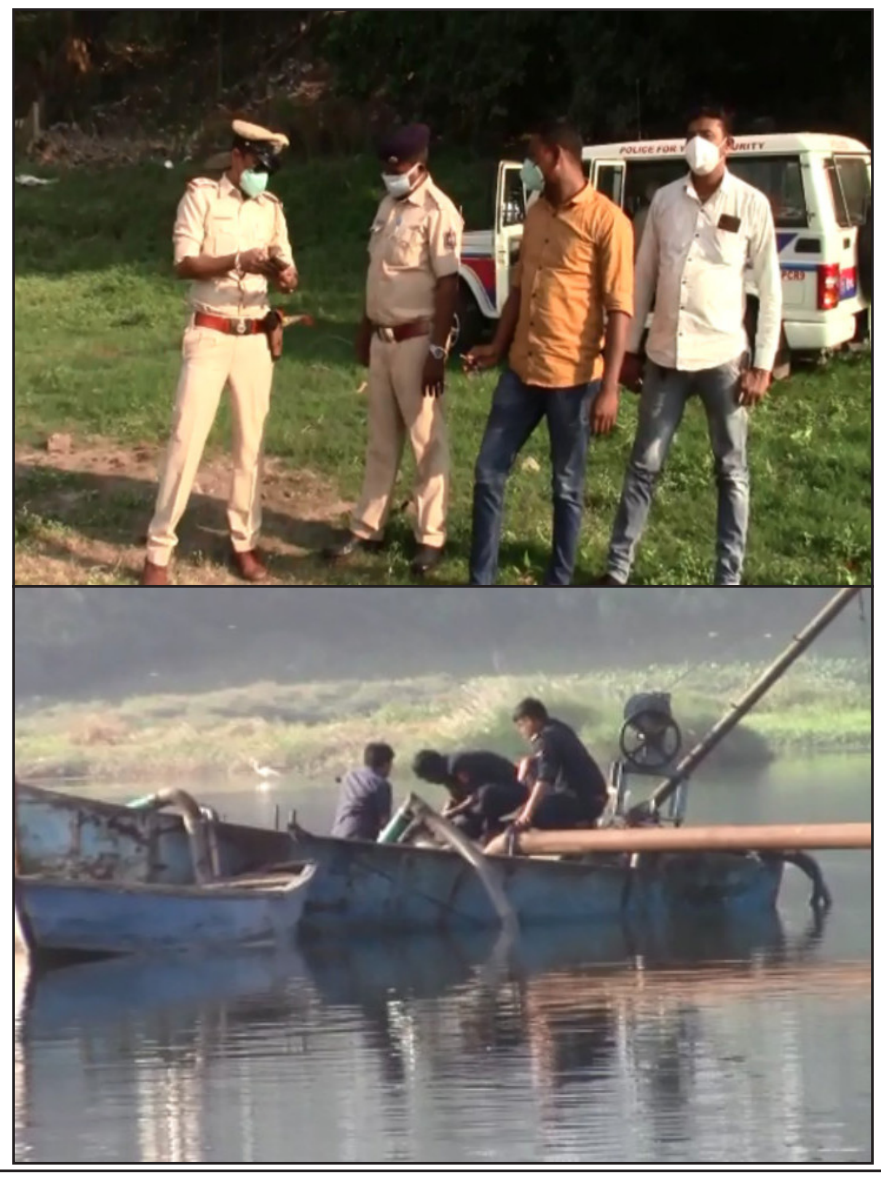

के पीछे रेत का खनन किया जा रहा है। उनसे पूछा कि यहां रेत का खनन होता है तो क्या आपको पहले शिकायत मिली थी? उन्होंने कहा, "हां, हमें इस संबंध में कई बार शिकायतें मिली हैं। जब हमने अपनी टीम के साथ जांच की, तो हमें कोई सबूत नहीं मिला और कोई स्पष्टीकरण नहीं था कि क्या अवैध रेत खनन हो रहा है।"

आपको कितनी बार शिकायत मिली और आप कितनी बार वहां मौके की जांच के लिए गए?

सुनीता अरोड़ा ने कहा, "हमें कई बार शिकायतें मिली हैं लेकिन एक बार हम वहां साइट निरीक्षण के लिए गए लेकिन हमने आगे कोई रेत खनन नहीं देखा।"

क्या आप नेचर पार्क के साथ-साथ भाथा और पाल क्षेत्र में रेत खनन के बारे में जानते हैं या आपको इस संबंध में कोई शिकायत मिली है?

सुनीता अरोड़ा ने जवाब दिया कि मैं आपको इसके बारे में बाद में बताऊंगा। मैं अभी गांधीनगर में कार्यालय में हूं।

उन्होंने रॉयल्टी इंस्पेक्टर तुषार गुप्ता को बताया, च्हमें रेत खनन की रिपोर्ट मिली है।ज हमारी टीम वहां पहुंच गई है। जब तुषार गुप्ता से पूछा गया कि क्या आपको इस मामले में कोई जानकारी है? तुषार गुप्ता ने कहा, च्हमें शिकायत मिली है।ज हमने अपनी टीम को जांच के लिए घटनास्थल पर भेजा लेकिन हमें मौके का पता नहीं चला।

सरथाना नेचर पार्क के पीछे बालू खनन की शिकायतें आपको कितनी बार प्राप्त हुई हैं?

तुषार गुप्ता ने कहा कि हमें शिकायत मिली थी और हमने वहां जांच भी की थी. मैं आपको ठीक-ठीक नहीं बता सकता कि मैंने इसे कितनी बार पाया है।

सरथाना नेचर पार्क के पीछे के अलावा, क्या आपको भाथा और पाल जैसे क्षेत्रों के साथ-साथ जिले में भी अवैध रेत खनन की शिकायतें मिली हैं?

तुषार गुप्ता ने कहा, च्मैं संक्रमण के लिए दूसरी तरफ आया हूं। मैं अभी आपसे बात नहीं कर सकता।ज कृपया जांचें और पूछताछ करें कि हमारी टीम कहां पहुंच गई है। कलेक्टर द्वारा गहराई से जांच की जाए।

सूरत शहर और जिले में तापी नदी के किनारे बहुत बड़ी मात्रा में रेत का खनन किया जाता है। अनुमान है कि प्रतिदिन 150 से 200 वाहन रेत से भरते हैं। भले ही प्रतिदिन 20 से 25 लाख रुपये की अनुमानित लागत से रेत का खनन किया जा रहा हो, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधिकारी कोई कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे हैं। लोग लगातार तर्क दे रहे हैं कि भूविज्ञान विभाग में व्यापक भ्रष्टाचार है। स्पष्ट है कि तापी नदी से बालू खनन नहीं रोका जा रहा है क्योंकि अधिकारी रेत खनन माफियाओं के साथ सांठ-गांठ कर रहे हैं। हालांकि, अगर इन सभी मामलों की जिला कलेक्टर द्वारा गहन जांच की जाती है, तो तापी नदी से अवैध बालू खनन में कमी आएगी.

गुजरात पंचायत चुनाव के शुरुआती नतीजों में बड़ी संख्या में चुनी गईं महिला सरपंच

क्रांति समय,सूरत

राज्य की 8,686 ग्राम पंचायतों और 48,573 वार्डों के लिए रविवार को हुआ था चुनाव

गुजरात में 10 हजार से ज्यादा ग्राम पंचायतों के लिए हुए चुनाव के परिणाम मंगलवार सुबह से आने शुरू हो गए। निकाय चुनाव में बड़ी संख्या में महिलाएं सरपंच का चुनाव जीती हैं। राजकोट गोंडल के नाना महिका, रामनगर, उमावाला, जामकंडोरणा, नवसारी के वेजलपुर, कच्छ के नखत्राणा, सूरत के कामरेज, नर्मदा के नांदेड़, साणंद के ताजपुर, लीलापुर, मानपुर, अरवल्ली जिले के किडीयाद तथा मोरबी, हलवद व कलोल में महिला सरपंचों को विजेता घोषित किया गया है।

ज्ञात हो कि गुजरात में रविवार को 8,686 ग्राम पंचायतों और 48,573 वार्डों में 23,000 से अधिक मतदान केंद्रों पर 37,000 मतपेटियों का उपयोग कर मतदान किया गया। निकाय चुनाव में औसतन 77 प्रतिशत से अधिक मतदान किया गया। छोटा उदेपुर के एक गांव में सरपंच का चुनाव लड़ रही मुंबई की मॉडल ऐशा पटेल चर्चा में हैं। करीब 10 से 12 साल मुंबई की मॉडलिंग की दुनिया में रहने के बाद लॉडाउन के दौरान जब गुजरात स्थित अपने गांव आईं तो यहां के गरीब मजदूर परिवारों को देखकर उनका मन द्रवित हो गया। वह अपने घर काम

उच्च शिक्षित प्रत्याशी नियतिबाहेन पटेल की जीत

करने वाले एक बालक के घर गई और उनकी मुसीबतों को नजदीक से देखा और महसूस किया। इसके बाद उन्होंने गांव के लोगों की समस्याएं दूर करने का संकल्प लेते हुए सरपंच का चुनाव लड़ने का निश्चय किया। गांव के कुछ लोगों ने उनका विरोध किया, इसको लेकर झगड़े भी हुए, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी।

उत्तर गुजरात की बनासकांठा जिले की सूईग्राम पंचायत से कृष्णा राजपूत भी चुनाव मैदान में हैं। गांव के ही कुछ दबंग व प्रभावशाली लोगों ने कृष्णा की दावेदारी का भी विरोध किया था। बीते रविवार को गुजरात की 10000 ग्राम पंचायतों के साथ कृष्णा की सीट पर चुनाव हो गया है।

ऐशा पटेल, कृष्णा राजपूत समेत गुजरात की सैकड़ों ग्राम पंचायतों में युवा महिलाएं अपना भाग्य आजमा रही हैं। बड़ी संख्या में महिला सरपंच एवं महिला पार्षद चुनाव जीत रही है। गुजरात में ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है इससे पहले भी गुजरात के कई गांव में समूची ग्राम पंचायत महिलाओं एवं लड़कियों को सौंपी जा चुकी है। युवा महिला सरपंच एवं वार्ड पार्षदों ने इसका बेहतर परिणाम भी दिया है, ग्राम पंचायतों का ख्याल वे अपने परिवार की तरह रखती और महिलाओं के उत्थान के लिए तथा बालिका शिक्षा के लिए उन्होंने गांव में कई नवाचार भी शुरूकिए हैं।

राज्य सरकार ने हेड क्लर्क की परीक्षा की रद्द, आगामी मार्च में महीने में दोबारा ली जाएगी

गुजरात गौण सेवा पसंदगी मंडल की ओर से 12 दिसंबर 2021 को ली गई हेड क्लर्क की परीक्षा को आखिरकार सरकार ने रद्द कर दिया है। आगामी मार्च महीने में यह परीक्षा दोबारा ली जाएगी। बता दें कि हेड क्लर्क की परीक्षा का पर्चा लीक होने की बात सरकार स्वीकार करते हुए मामले के आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने का आदेश दिया था। इस मामले को लेकर राज्य की राजनीति गरमाई है। गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने आज पत्रकार परिषद में हेड क्लर्क की परीक्षा रद्द करने का ऐलान करते हुए कहा कि आगामी मार्च 2022 में यह परीक्षा दोबारा ली जाएगी। जिन उम्मीदवारों ने परीक्षा के लिए फार्म भरे हैं वह सभी आगामी परीक्षा के लिए योग्य माने जाएंगे, उन्हें दोबारा फार्म भरने की जरूरत नहीं होगी। इस दौरान यदि उनकी आयु बढ़ जाती है तब भी वह परीक्षा देने के योग्य होंगे। इस मामले में अब तक 14 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है और दो अब भी फरार हैं। पुलिस ने आरोपियों से रु 30 लाख की रकम भी बरामद की है। उन्होंने कहा कि इस मामले में यदि गुजरात गौण सेवा पसंदगी मंडल की ओर कोई अनियमितता सामने आती है तो उसके खिलाफ भी कार्यवाही की जाएगी। मंडल के साथ चर्चा के बाद परीक्षा रद्द करने का फैसला किया गया है और आगामी परीक्षा नई पद्धति से लिए जाने के बारे में मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के साथ चर्चा की गई है। आगामी परीक्षा में कोई चूक रहने की कोई गुंजाईश नहीं रहेगी। हर्ष संघवी ने कहा कि हेड क्लर्क की परीक्षा देने

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

सुविचार धन बर्बाद करके आप निर्धन होते है लेकिन समय बर्बाद करके आप अपना जीवन नष्ट करते है। - अज्ञात

संपादकीय

चुनाव सुधार

चुनाव सुधार की किसी भी कोशिश का स्वागत होना चाहिए। इस लिहाज से लोकसभा में सोमवार को पारित चुनाव सुधार संबंधी बिल विशेष है, जिसके तहत मतदाता पहचान पत्र और आधार को परस्पर जोड़ने की प्रक्रिया की ओर हम बढ़ेंगे। चुनाव आयोग लंबे समय से यह मांग कर रहा है और इसके लिए वर्ष 2015 में भी कोशिश हुई थी, मगर सर्वोच्च अदालत की आपत्ति के बाद उस प्रक्रिया को तब रोक दिया गया था। कानून में बदलाव के जरिये इस सुधार की दिशा में बढ़ने में काफी वक्त लगा है। अभी लोग केवल अपनी इच्छा से ही अपने मतदाता पहचान पत्र और आधार को परस्पर जोड़ सकेंगे। मतलब, कानून में बदलाव के बावजूद लोगों को रियायत दी जा रही है। हालांकि, चुनाव आयोग को इससे बहुत सुविधा नहीं होगी और न ही इससे अचानक मतदाता सूची को पूरी तरह त्रुटिहीन बनाने में पुख्ता मदद मिलेगी। जिस तरह भारतीय व्यवस्था मतदाता पहचान पत्र को लेकर उदार है, उसी तरह की उदारता आधार के साथ भी है। अभी भी बड़ी संख्या में देश में ऐसे लोग हैं, जिनके पास न तो मतदाता पहचान पत्र है और न आधार कार्ड। पहचान सिद्ध करने की उदार व्यवस्था के कारण ही विपक्षी दल इस कानूनी बदलाव की आलोचना कर रहे हैं। एक ओर, विधेयक पेश करने वाले केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रीजीजू के अनुसार, यह कानून देश में फर्जी मतदान को समाप्त करेगा और चुनावी प्रक्रिया को अधिक विश्वसनीय बनाएगा, तो दूसरी ओर, ज्यादातर विपक्षी दलों के अनुसार, यह नागरिकों के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करेगा। इसमें कोई शक नहीं कि अपने देश में पहचान का कोई भी जरिया या पत्र राजनीति का विषय है। जहां देश में एक-एक नागरिक की पहचान सुस्थापित होनी चाहिए, वहीं पहचान की गोपनीयता रखने के पक्ष में भी खूब दलीलें हैं। पहचान साबित करने की मांग को लोग अनुदारता भी मानते हैं और निजता का उल्लंघन भी। नागरिक पहचान, पहचान पत्र और ऐसे तमाम पत्रों को परस्पर जोड़ने की प्रक्रिया व नियमों को राजनीति से ऊपर रखकर सोचना चाहिए। अगर हम ऐसा नहीं कर रहे हैं, तो हमें देश की सुरक्षा की उतनी चिंता नहीं है, जितनी होनी चाहिए। खैर, इस प्रस्तावित कानून के कुछ अन्य पहलू स्वागतयोग्य हैं। साल में चार बार मतदाता पहचान पत्र नामांकन की सुविधा मिलेगी। हालांकि, मतदाता सूची में किसी भी समय नाम जुड़वाने या संशोधन की सुविधा होनी चाहिए। लिंग आधारित समानता भी सुनिश्चित होगी। आज के समय में चुनाव सुधार की किसी भी प्रक्रिया को तेजी से पूरा करना जरूरी है। अच्छे सुधारों में कई-कई वर्ष खप जा रहे हैं। देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, लेकिन हम अभी भी फर्जी मतदाता पहचान पत्र और फर्जी मतदान से छुटकारा नहीं पा सके हैं। पहचान व पहचान पत्र के मामले में फर्जीवाड़े के रास्ते बंद करने में हम अभी भी नाकाम हैं। मामला मतदान पत्र बनवाने का हो या आधार कार्ड, त्रुटियों की भरमार है। भाषा, वर्तनी, फोटो, गुणवत्ता, आंकड़े इत्यादि की गलतियों को सुधारते रहने में भी काफी वक्त जाया होता है। अगर मतदाता पहचान पत्र व्यवस्था पुख्ता होती, तो उसे आधार से जोड़ने की जरूरत ही क्यों पड़ती? अत- ऐसे कागजों को परस्पर जोड़ने से कहीं ज्यादा जरूरी है, कागजों को सोलह आना सही बनाना।

आज के कार्टून

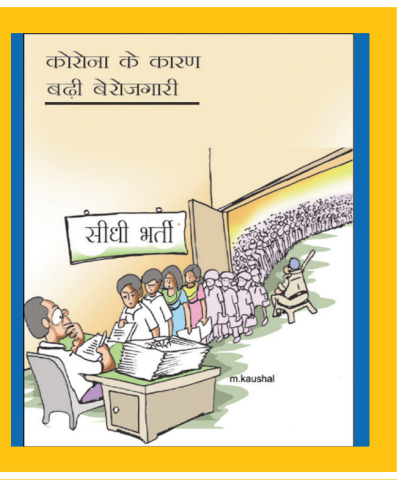

आध्यात्मिकता

जग्गी वासुदेव

भारतीय आध्यात्मिकता, हमेशा ऐसे पुरुषों और महिलाओं का एक समृद्ध मिश्रण रही है, जो अपनी चेतना के शिखर पर पहुंचे थे। जब मनुष्य के आंतरिक स्वभाव की बात होती है तो महिलाओं में भी उतनी ही योग्यता है, जितनी पुरुषों में। यह तो आपका बाहरी हिस्सा, यानि शरीर है, जिसे आप पुरुष या महिला कहते हैं। जो चीज भीतर है, वो एक ही है। बाहरी हिस्सा यह बिल्कुल भी तय नहीं करता कि किसी की आध्यात्मिक योग्यता क्या है। प्राचीन काल में महिलाएं भी यज्ञोपवीत (जनेऊ) धारण करतीं थीं क्योंकि इसे पहने बिना वे शास्त्र नहीं पढ़ सकतीं थीं। पुरुषों की तरह महिलाएं भी 10 से 20 वर्ष विवाहित रहतीं थीं। और फिर, यदि उन्हें आध्यात्मिक होने की गहरी इच्छा होती थी तो वे भी परिवार का त्याग कर सकतीं थीं। लेकिन जब दुष्ट, अत्याचारी लोगों ने भारत पर हमले करने शुरू किए तो धीरे धीरे स्त्रियों की स्वतंत्रता समाप्त हो गई। पारम्परिक नियम बदलने लगे। शायद कुछ समय के लिये यह जरूरी भी था क्योंकि उस समय की परिस्थितियों के अनुसार महिलाओं की अपनी सुरक्षा के लिए, उन पर कुछ बंधन लगाना आवश्यक हो गया। लेकिन, दुर्भाग्यवश, यह कायदा ही बन गया। महिलाओं के लिए सबसे पहली गलत बात यह हुई कि यह घोषित किया गया कि वे यज्ञोपवीत नहीं पहन सकतीं। फिर यह भी कहा गया कि महिलाओं को मुक्ति केवल अपने पति की सेवा करने से ही मिल सकती है। यह तय किया गया कि केवल पुरुष ही परिवार का त्याग कर सकेंगे। यदि एक स्त्री जिसमें से पुरुष उत्पन्न होता है- हीन है, तो फिर पुरुष श्रेष्ठ कैसे हो सकता है? इसकी कोई सम्भावना ही नहीं है। ये समस्या सारे विश्व में है। ये सिर्फ एक गलत व्यक्ति के विचार नहीं है। ये अब पुरुषों की जीवन पद्धति ही हो गई है, और उनके धर्म और संस्कृति का एक हिस्सा भी। दुर्भाग्य से, ये चीजे कभी-कभी आज भी होती दिखतीं हैं। स्त्री को बताया जाता है कि उसका जन्म सिर्फ पिता या पति की सेवा करने के लिए ही हुआ है। लोग अस्तित्व के अद्वैत रूप की चर्चा करते हैं और फिर भी कहते हैं,'हरेक वस्तु एक ही है, पर महिलाएं कम हैं'। यह जानते हुए कि पुरुष का अस्तित्व स्त्री पर निर्भर करता है, यदि वह एक स्त्री को समान स्तर पर स्वीकार नहीं करता तो उसके लिए अस्तित्व के अद्वैत रूप को स्वीकार कर सकने का प्रश्न ही नहीं उठता।

जब तानसेन की तान से अचंभित हुए राजा रामचंद्र...

- हितेन्द्र सिंह भदौरिया

कलाओं के महान आश्रयदाता बघेलखण्ड के राजा रामचन्द्र की राजसभा को अनेक संगीतज्ञ और साहित्यकार सुशोभित करते थे। संगीत शिरोमणि तानसेन ने भी लंबे अर्से तक राजा रामचन्द्र की राजसभा की शोभा बढ़ाई। राजा रामचंद्र के पास तानसेन के पहुँचने का समय लगभग 1557-58 ईसवी है। मगर रामचंद्र की राजसभा बांधवगढ़ में तानसेन कैसे पहुँचे, इसका इतिहास में कोई स्पष्ट उल्लेख नहीं है। कहा जाता है जब इतिहास मौन साध लेता है वहाँ जनश्रुतियाँ मुखर हो उठती हैं। तानसेन के राजा रामचंद्र की राजसभा में पहुँचने और वहाँ से अकबर बादशाह के दरबार के लिए बांधवगढ़ से उनकी विदाई के संबंध में बहुत ही मनोरंजक व मार्मिक किंवदंतियाँ मिलती हैं। एक किंवदंती के अनुसार जब ग्वालियर की संगीत मंडली बिखरने लगी तब तानसेन ने भी बैरागी का भेष धारण कर ग्वालियर से बांधवगढ़ की ओर प्रस्थान किया। जब वे बांधवगढ़ के राजमहल की ओर बढ़ रहे थे तब महल के प्रहरी ने उन्हें रोक लिया और कहा कि बिना राजा की आज्ञा के आप महल में प्रवेश नहीं कर सकते। राजा का आदेश है कि जब वे पूजा में बैठे हों तो किसी को भी राजमहल में प्रवेश न दिया जाए। यह सुनकर तानसेन निराश नहीं हुए अपितु अपना तानपूरा लेकर राजप्रसाद के पीछे बैठ गए और तान छेड़ी कि 'तू ही वेद, तू ही पुराण, तू ही हदीस, तू ही कुरान । तू ही ध्यान, तू ही त्रभवनेश' ।तानसेन के मधुर गायन से सम्पूर्ण महल गुंजायमान हो उठा। किंवदंती है कि महल के भीतर राजा जिस शिव-विग्रह की पूजा कर रहे थे तानसेन की गायकी के चमत्कारी प्रभाव से शिव मूर्ति का मुख राजा की ओर से हटकर उस ओर हो गया जिस ओर से तानसेन के गायन की स्वर लहरियां फूट रहीं थी। यह चमत्कार देखकर राजा रामचंद्र घोर आश्चर्य से भर गए और दौड़ते हुए महल के पीछे यह देखने के लिए पहुँचे कि आखिर इतना मधुर संगीत किसके कंठ से प्रस्फुटित हो रहा है। राजा रामचंद्र तानसेन के चरणों में गिर पड़े और क्षमा याचना माँगी। इसके बाद उन्होंने तानसेन को अपनी राजसभा में सम्मानजनक स्थान दिया।

तानसेन बोले अब दाहिने हाथ से किसी को जुहार नहीं करूँगा...

तानसेन ने एक तरह से राजा रामचंद्र की राजसभा में सदा के लिए रहने का मन बना लिया था। गान मनीषी तानसेन की मौजूदगी से राजसभा हमेशा संगीत कला से गुंजायमान रहती। इसी बीच जब जलाल खाँ कुर्ची ने तानसेन को ले जाने का शाही फरमान सुनाया तो राजा रामचन्द्र बहुत दुःखी हुए। तानसेन के वियोग की आशंका से उनकी आँखों से बच्चों के समान अश्रुधारा बह उठी। मुगल बादशाह अकबर ने सेना के साथ जलाल खाँ कुर्ची को तानसेन को लेने के लिये भेजा था। जाहिर है राजा रामचन्द्र तानसेन को सौंपने के लिये विवश हो गए। लोक इतिहासकारों ने राजा रामचन्द्र से तानसेन के वियोग की घटना का रोचक ढंग से वर्णन किया है। डॉ. हरिहर निवास द्विवेदी ने अपनी पुस्तक 'तानसेन' में एक अनुश्रुति का हवाला देते हुए तानसेन की मार्मिक विदाई के बारे में विस्तार से उल्लेख किया है। वे लिखते हैं कि तानसेन को सौंपने की बात सुनकर राजा रामचन्द्र बच्चों के समान रो उठे। जैसे-तैसे समझा-बुझाकर तानसेन ने उन्हें शांत किया। राजा रामचन्द्र ने बहुमूल्य वस्त्र तथा मणि-माणिक्यों से जड़ित अलंकार भेंट कर तानसेन को एक चौडोल (विशेष प्रकार की पालकी) में बिठाया और पूरे नगर में विदाई जुलूस निकाला। नगरवासी तानसेन को विदा करने काफी दूर तक जुलूस के अंदाज में साथ में चले। मार्ग में तानसेन को प्यास लगी और उन्होंने अपनी चौडोल रूकवाई। तानसेन देखते हैं कि स्वयं राजा रामचन्द्र उनके चौडोल की एक बल्ली को कंधा दिए हुए हैं। राजा के तन पर न वस्त्र हैं और न पैरों में जूते। यह दृश्य देखकर तानसेन भाव-विव्हल होकर रोने लगे। विदाई के ये मार्मिक क्षण देखकर साथ में मौजूद सैनिक तक अपनी आँखों के आँसू नहीं रोक सके। राजा रामचन्द्र ने अपने दिल को कठोर कर तानसेन से कहा कि हमारे यहाँ ऐसी रीति है कि जब किसी स्व-जन की मृत्यु हो जाती है तो उसके परिजन अस्थि विमान को कंधा देते हैं। मुगल बादशाह ने आपको हमारे लिए मार ही डाला है। बमुश्किल अपनी आँखों से बह रही अश्रुधारा को रोकते हुए तानसेन बोले राजन आपने मेरे लिए क्या - क्या कष्ट नहीं सहे। मैं आपके इन उपकारों का बदला चाहकर भी नहीं चुका सकता। पर मैं आज एक वचन देता हूँ कि जिस दाहिने हाथ से आपको जुहार (प्रणाम) की है, उस दाहिने हाथ से मैं अब दूसरे किसी भी शख्सियत को जुहार नहीं करूंगा। यह सुनकर राजा रामचन्द्र ने तानसेन की ओर से नजरें फेर लीं और दु:खी हृदय से अपनी राजधानी की ओर गमन किया तो तानसेन ने आगरा की राह पकड़ी। अनुश्रुति है कि तानसेन ने अपने वचन को जीवन भर निभाया। राजा रामचन्द्र का पड़ाव रूखसत हुआ, तब तानसेन ने

राग 'बागेश्री' चौताला में एक ध्रुपद रचना का गायन किया। जिसके बोल थे 'आज तो सखी री रामचन्द्र छत्रधारी, गज की सवारी लिए चले जात बाट हैं। कित्ते असवार सो हैं, कित्ते सवार जो हैं, कित्ते सौ हैं बरकदार अवर कित्ते आनंद के ठाठ' । ग्वालियर के महान कला पारखी एवं संगीत मर्मज्ञ राजा मानसिंह की मृत्यु होने और उनके उत्तराधिकारी विक्रमादित्य से ग्वालियर का राज्याधिकार छिन जाने के कारण वहाँ के संगीतज्ञों की मंडली बिखरने लगी। उस परिस्थिति में तानसेन ग्वालियर से बृंदावन चले गए और स्वामी हरीदास से संगीत की उच्च शिक्षा प्राप्त की। आगरा के शासक इब्राहीम ने तानसेन को दरबार में आने का निमंत्रण भेजा। मगर तानसेन ने उस निमंत्रण को ठुकरा दिया। वे बैराग्य जैसा जीवन व्यतीत करने लगे। पर किसी अज्ञात कारण से तानसेन राजा रामचन्द्र की सभा की ओर आकर्षित हुए। राजा रामचन्द्र की राजसभा से वे पूरे हिंदुस्तान में विख्यात हो गए। उनकी ख्याति सुनकर मुगल बादशाह ने तानसेन को अपने दरबार में बुलाकर प्रतिष्ठित स्थान दिया। तानसेन जीवन पर्यन्त सम्राट अकबर के नवरत्नों में शामिल रहे। ग्वालियर के अमर गायक संगीत सम्राट तानसेन के सम्मान में पिछले 95 वर्षों से ग्वालियर में शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में देश का सर्वाधिक प्रतिष्ठित महोत्सव 'तानसेन समारोह' आयोजित हो रहा है।

(लेखक मप्र जनसम्पर्क विभाग में अधिकारी हैं)

विवाह की उम्र : सामाजिक सुधार की अभूतपूर्व पहल

- सुरेश हिंदुस्थानी

कुछ प्रथाएं आज कुरीति के रूप में दृष्टव्य होती दिख रही हैं। चाहे विवाह की आयु का विषय हो या फिर रीति-रिवाजों से संबंधित अन्य प्रचलित प्रथाएं, समय के अनुसार इनको बदलना चाहिए। लेकिन कुछ रूढ़िवादी मानसिकता के लोग या इस दिशा में सक्रिय संस्थाएं किसी परिवर्तन का विरोध कर न केवल भारतीय समाज को पीछे धकेलने का कार्य कर रहे हैं, बल्कि देश के उत्थान के मार्ग में अवरोधक बनकर खड़े हैं। भारतीय समाज में कई प्रकार की प्रथाएं पत्थर की लकीर की तरह स्थापित हो चुकी हैं, इसी कारण सामाजिक असमानता बढ़ती है। समाज में भेदभाव की भावना घर कर रही है। कम आयु में बच्ची के विवाह को जीवन की बर्बादी के रूप में निरूपित किया जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। हालांकि आज इतनी जागरुकता तो दिखाई देती है कि देश में बाल विवाह नहीं हो रहे हैं, फिर भी अपवाद तो मिल ही जाते हैं। बाल विवाह करने का प्रचलन कब और कैसे आया, इसकी प्रामाणिक जानकारी तो नहीं है लेकिन कहा जाता है कि मुगल शासकों के अत्याचार के दौर में भारतीय समाज ने इस प्रथा को प्रारंभ किया। हालांकि इसके दुष्परिणाम भी सामने आए। जब किसी बच्ची का विवाह कम उम्र में कर दिया जाए तो यही कहा जाएगा कि उसके बच्चे भी जल्दी ही होंगे। महत्वपूर्ण बात यह है कि अभी जिस बच्ची का बचपन ठीक से बीता नहीं, उसे एक और बचपन को सुरक्षित करने की जिम्मेदारी असमय ही मिल जाती है। ऐसी स्थिति में न तो वह अपना विकास कर पाती है और न ही मासूम बच्चे की ठीक प्रकार से परवरिश ही कर पाती है। जिससे दोनों ही शारीरिक रूप से विकसित नहीं हो पाते। भारतीय संस्कृति में बच्चियों को देवी के रूप में देखने की परंपरा रही है। नवरात्रि पर्व पर बच्चियों में देवी के दर्शन होते हैं। भारतीय दर्शन में कहा जाता है कि जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवताओं का वास होता है। इसका आशय यही है कि उस देश में देव संस्कृति का प्रवाह अविरल रूप से प्रवाहित होता रहता है। ऐसी स्थिति में वह देश संस्कारों की सुरभित बगिया के रूप में महकती रहती है। पुरातन काल से यह मान्यता भी है कि किसी भी बालक की प्रथम गुरू उसकी माता होती है, लेकिन जब माता ही पूर्ण रूप से विकसित नहीं होगी तो स्वाभाविक रूप से यही कहा जा सकता है कि वह गुरू की भूमिका ठीक प्रकार से नहीं निभा सकती। इसलिए किसी भी बच्ची का विवाह उचित आयु में करने से सकारात्मक परिणाम सामने आते हैं। आज के समय का अध्ययन किया जाए तो यही परिलक्षित होता है कि एक परिवार के सदस्यों की एक ही विषय पर अलग-अलग राय होती है। अलग राय की यह शैली बाहर के वातावरण से मिलती है। जब यह शैली व्यक्ति के आचरण का हिस्सा बन जाती है, तब परिवार में विघटन की स्थितियां पैदा होती हैं। इसलिए परिवार के साथ देश में भी संस्कृति की रक्षा करते हुए आवश्यक सुधार भी करने चाहिए। लड़कियों की विवाह की आयु कम करने का कदम इसी दिशा में बहुत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसकी लम्बे समय से मांग की जा रही थी।

वैसे भी आज के समय में लड़कियां स्वयं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अपने लिए एक मजबूत आधार निर्मित करना चाहती हैं। इसलिए युवतियां अपने विवाह को लेकर जल्दबाजी नहीं करतीं। देखा जा रहा है कि लड़कियां अधिक आयु में विवाह करने लगी हैं। खास बात यह है कि भारतीय संस्कृति में व्यक्तिगत जीवन के लिए चार आश्रम की व्यवस्था है, जिसमें औसत आयु सौ वर्ष मानी गई है और इसी के आधार पर विभाजन किया गया है। प्रथम 25 वर्ष ब्रह्मचर्य, द्वितीय गृहस्थ, तृतीय वानप्रस्थ और चतुर्थ संन्यास है। पिछले कुछ वर्षों में औसत आयु में कमी का अनुभव किया जा रहा था, इसलिए विवाह की उम्र भी कम कर दी गई। अब लड़कियों के विवाह की आयु 21 वर्ष करने का निर्णय लिया गया है, जो युवतियों के हक में अभूतपूर्व माना जा रहा है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

सू-दोकू नवताल -1996

	6	2		5	9	1		8
4			7					2
9				1			6	
	7					6		3
		6		7		5		
5		1					2	
	3			8				5
2					4			1
1		5	3	2		4	9	

सू-दोकू -1995 का हल

7	4	9	8	3	5	6	2	1
6	1	5	7	2	4	3	9	8
2	8	3	9	6	1	4	7	5
4	7	8	2	1	6	9	5	3
5	3	1	4	7	9	8	6	2
9	6	2	5	8	3	1	4	7
1	9	7	6	5	8	2	3	4
3	5	6	1	4	2	7	8	9
8	2	4	3	9	7	5	1	6

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-1996

बायें से दायें:-

1. मनोज बाजपेई, करिश्मा कपूर की फिल्म-3
3. 'चूड़ी बोले पायल बोले' गीतवाली फिल्म-3
6. सुनील दत्त, नूतन अभिनीत फिल्म-3
7. राजेश खन्ना, मिथुन, शबाना, दीप्ति नवल की 'ये हवाएं सर्द सर्द हैं' गीत वाली फिल्म-4
10. फिल्म 'नरसिम्हा' में डिम्पल कपाड़िया के साथ नायक-2
11. 'चोरी चोरी मेरे दिल को' गीत वाली फिल्म-2
12. फिल्म 'अनमोल घड़ी' के प्रसिद्ध गीत 'आवाज दे कहां है, दुनिया मेरी जवां है' की गायिका कौन-4
14. फिल्म 'नीला आकाश' में धर्मेंद्र की नायिका-2
15. फिल्म 'प्रेम ग्रंथ' में ऋषि कपूर के साथ नायिका कौन थी?-3
16. 'दिन प्यार के आये रे' गीत वाली सन् 1953 की एक फिल्म-2
17. किस प्रसिद्ध गायक का वास्तविक नाम शान्तनु मुखर्जी है-2
18. निर्माता निर्देशक अभिनेता मनोज कुमार की राष्ट्रभक्ति वाली फिल्मों में उनके पात्र का नाम-3
20. आफताब शिवदासानी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-2
21. 'हम ने घर छोड़ा है' गीत वाली फिल्म-2
22. फिल्म 'बनारसी बाबू' की नायिका-2
23. अक्षयकुमार, माधुरी की फिल्म-3
26. 'साला मैं तो साब बन गया' गीत वाली फिल्म-3
28. सलमान, करिश्मा की फिल्म-3
29. गोविंदा, नीलम की फिल्म-2
30. 'ऐ बादल झूम के चल' गीत वाली नवीन निश्चल, आशा पारेख की फिल्म-3

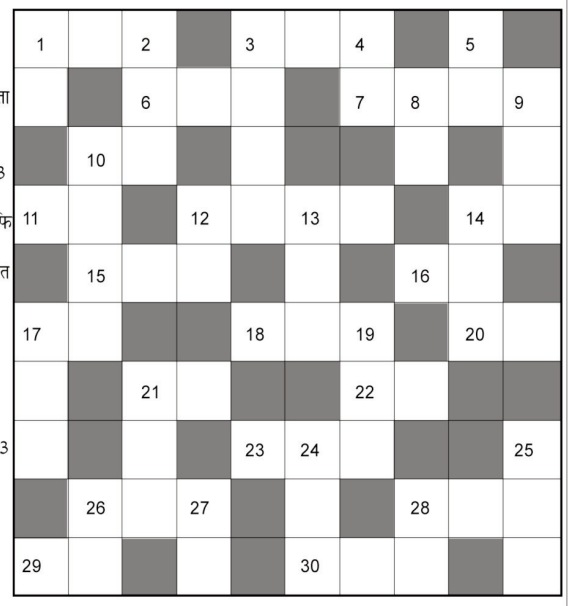

ऊपर से नीचे:-

1. अक्षय कुमार, मिलिंद गुणाजी, ट्विंकल खन्ना अभिनीत फिल्म-2
2. 'गवाह हैं चांद तारे' गीत वाली ऋषि कपूर, सनी देओल, मीनाक्षी शेषाद्रि की फिल्म-3
3. 'मौला मेरे मौला' गीत वाली फिल्म-4
4. आमिर खान, मनीषा कोइराला की फिल्म-2
5. राज कपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाईयां' गीत वाली फिल्म-2
8. 'जब भी ये दिल उदास होता है' गीत वाली राकेश रोशन, सिम्मी ग्रेवाल की फिल्म-2
9. फिल्म 'शोला और शबनम' में धर्मेंद्र के साथ नायिका कौन थी?-3
10. फिल्म 'पार्टनर' में 'लव-गुरु' की भूमिका किसने की है?-4
12. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फिल्म-2
13. संजय कपूर, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-3
14. 'तुझ से नाराज नहीं जिंदगी' गीत वाली फिल्म-3
17. जॉय मुखर्जी, सायरा बानो की फिल्म-3
19. अक्षय कुमार, सोनाली की फिल्म-3
21. सनी देओल, बॉबी देओल, उर्मिला मातोंडकर अभिनीत फिल्म-3
24. फिल्म 'बारूद' में अक्षय कुमार के साथ नायिका कौन थी?-3
25. 'काश तुम मुझसे एक बार' गीत वाली फिल्म-3
26. 'सपने में मिलती है' गीत वाली फिल्म-2
27. अभिषेक बच्चन, अंतरा माली की फिल्म-2
28. 'बेईमान पिया रे' गीत वाली अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की फिल्म (2)

फिल्म वर्ग पहेली-1995

जीं		आं	धी		स	र	फ	रे	श
स	ला	खें		रा	नी		ना		बा
	ल		रा	ज		दे		हि	ना
अ	प	ने		श्री	दे	वी		म्म	
	त्थ		जी		व		नू	त	न
ब	र	सा	त		आ		री		गिं
हू		या		आ	नं	द		द	स
बे	टा		सू		द		म	र्द	
ग		म	र्या	दा		दा	वा		डो
म	हा	न		दा	ग		ली	ड	र

एप्पल चेन्नई प्लांट में आईफोन-13 का फरवरी से उत्पादन शुरु करेगा एप्पल

नई दिल्ली। भारत में आईफोन मैनुफैक्चरिंग क्षमता बढ़ाने के लिए एप्पल ने चेन्नई के पास फॉक्सकॉन प्लांट में पहले ही अपने नवीनतम फ्लैगशिप आईफोन-13 के उत्पादन का ट्रायल शुरू किया है। इसी प्लांट में स्मार्टफोन का व्यावसायिक उत्पादन फरवरी 2022 में शुरू होने की संभावना है। यहां से घरेलू बाजारों और निर्यात दोनों की मांग को पूरा करने की योजना है। नई उत्पादन सुविधा विकसित होने से एप्पल को अपनी वैश्विक आपूर्ति में सुधार करने में मदद मिलेगी। भारत के उत्पादन का लगभग 20-30 प्रतिशत आमतौर पर निर्यात के लिए रखा जाता है। अमेरिका की टेक्नोलॉजी की दिग्गज कंपनी की भारत में अपने सभी सबसे अधिक बिकने वाले स्मार्टफोन मॉडल बनाने की योजना है। इसके अलावा ये सेमीकंडक्टर चिप्स की आपूर्ति को सुरक्षित करने में भी कामयाब रही है, जिसकी फिलहाल पूरी दुनिया में भारी किल्लत है। आईफोन के अपेक्षाकृत कम कीमत वाले मॉडल अर्थात आईफोन 11 और आईफोन 12 की भारत में अधिकतम बिक्री देखने को मिली। ऐप्पल द्वारा बनाए जाने वाले सभी स्मार्टफोन का 70 प्रतिशत इस देश में बिकता है। चेन्नई के पास फॉक्सकॉन प्लांट में पहले से ही आईफोन 11 और आईफोन 12 का उत्पादन होता है। इसके अतिरिक्त, आईफोन एसई का प्रोडक्शन विस्ट्रॉन प्लांट, बेंगलुरु में होता है। भारत में आईफोन 13 का उत्पादन होने पर एप्पल को अत्यधिक लाभ होगा क्योंकि यह देश में सबसे अधिक बिकने वाला मॉडल है। हालाँकि, इस टेक दिग्गज की आईफोन-13 के अन्य वेरिएंट का उत्पादन करने की कोई योजना नहीं है।

2021 में पहली बार लगभग एक हजार ऐप प्रकाशकों ने 1 मिलियन डॉलर कमाए

सैन फ्रांसिस्को। जैसा कि मोबाइल ऐप में वैश्विक उपभोक्ता खर्च 2021 में फिर से नई ऊंचाइयों तक पहुंचने का अनुमान है, वहीं इस साल वार्षिक शुद्ध आय में अपनी पहली 1 मिलियन डॉलर या उससे अधिक देखने वाले प्रकाशकों की संख्या 2016 के बाद से लगभग दोगुनी हो गई है। सेंसर टॉवर की रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया भर में 900 से अधिक प्रकाशक 2021 में ऐप स्टोर और गूगल प्ले पर इस महत्वपूर्ण मील के पत्थर को पार करने का अनुमान लगाते हैं, जो 2016 के कुल 475 से 91 प्रतिशत के करीब है। अकेले आईओएस प्रकाशकों की संख्या 2016 में 310 से 87 प्रतिशत ऊपर इस चिह्न को पार कर 581 तक पहुंच जाएगी। गूगल प्ले एक समान प्रक्षेपवक्र देखेगा, 2016 में 165 से पहली बार मिलियन-डॉलर से अधिक प्रकाशकों को बढ़ाकर इस वर्ष 325 हो जाएगा। यह 97 प्रतिशत की वृद्धि का प्रतिनिधित्व करता है, इस संबंध में ऐप स्टोर के प्रदर्शन को 6 प्रतिशत अंक से अधिक कर देता है। जबकि उपभोक्ता खर्च में सकारात्मक वृद्धि देखी जा रही है, इस वर्ष पहली बार 1 मिलियन डॉलर की शुद्ध आय मील के पत्थर को पार करने वाले प्रकाशकों की संख्या 2021 में साल-दर-साल घटने की उम्मीद है। ऐप स्टोर ने 636 प्रकाशकों को 2020 में पहली बार वार्षिक शुद्ध राजस्व में 1 मिलियन डॉलर तक पहुंचने या उससे अधिक के रूप में देखा, यह एक आंकड़ा है जो 2021 में लगभग 9 प्रतिशत कम हो जाएगा। हालाँकि अधिक प्रकाशकों ने ऐतिहासिक रूप से प्रत्येक वर्ष ऐप स्टोर पर अपना पहला 1 मिलियन डॉलर या उससे अधिक का शुद्ध राजस्व अर्जित किया है, लेकिन एप्पल के बाजार और गूगल प्ले के बीच का अंतर कम हो रहा है। 2017 में दोनों के बीच डेल्टा अपने चरम पर था जब ऐप स्टोर ने गूगल प्ले की संख्या का 2.7 गुना उत्पादन किया, जबकि इस साल एप्पल का स्टोर गूगल की तुलना में पहली बार 1 मिलियन डॉलर से अधिक कमाई करने वाले प्रकाशकों का लगभग 1.8 गुना अधिक उत्पादन करेगा।

एनएचएआई की पथकर आय अगले तीन साल में बढ़कर 1.40 लाख करोड़ रुपये होगी: गडकरी

नयी दिल्ली (एजेंसी),

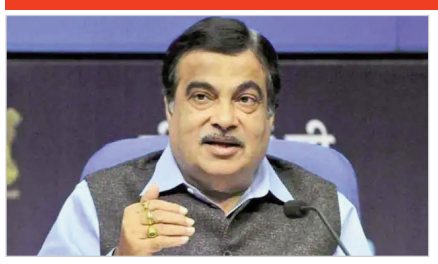

केंद्रीय मंत्री नीतिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की पथकर से होने वाली आय अगले तीन साल में 40,000 करोड़ रुपये सालाना से बढ़कर 1.40 लाख करोड़ रुपये प्रति वर्ष हो जायेगी। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के बुनियादी ढांचा क्षेत्र में निवेशकों के लिए एक बड़ा अवसर है क्योंकि हर साल यातायात में वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा, एनएचएआई की वर्तमान में सालाना पथकर आय 40,000 करोड़ रुपये है। अगले तीन साल में यह बढ़कर 1.40 लाख करोड़ रुपये प्रति वर्ष हो जायेगी। बुनियादी ढांचा क्षेत्र में निवेशकों को निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए गडकरी ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार बढ़ रहा है। साथ ही स्वाभाविक रूप से बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर रिटर्न की दर में भी वृद्धि हो रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सुलह समितियों को तीन महीने के भीतर सड़क बुनियादी ढांचा से संबंधित परियोजनाओं पर फैसला करना चाहिए।

निर्णय लेने की प्रक्रिया में देरी से लागत में भी बढ़ोतरी हो जाती है। दावों के तेजी से और आपसी सुलह के जरिये निपटान को लेकर एनएचएआई ने तीन सदस्यों वाली स्वतंत्र विशेषज्ञों की तीन समितियों का गठन किया है ताकि प्रक्रिया को जल्द पूरा किया जा सके। इन समितियों का नेतृत्व न्यायपालिका के सेवानिवृत्त अधिकारी, लोक प्रशासन, वित्त और निजी क्षेत्र के वरिष्ठ विशेषज्ञ कर रहे हैं।

इंडियन ऑयल ने आईजीएक्स में पांच प्रतिशत हिस्सेदारी ली

नयी दिल्ली।

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) ने इंडियन गैस एक्सचेंज लिमिटेड (आईजीएक्स) में करीब पांच प्रतिशत हिस्सेदारी ली है। आईओसी ने मंगलवार को शेयर बाजारों को दी गई सूचना में कहा कि उसके निदेशक मंडल की 20 दिसंबर को हुई बैठक में आईजीएक्स के 36.93 लाख शेयरों की खरीद के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई। इसके साथ ही आईजीएक्स में आईओसी की शेयर पूंजी 4.93 प्रतिशत हो गई है। दस रुपये के अंकित मूल्य के आधार पर इस शेयर अधिग्रहण पर आईओसी को करीब 3.7 करोड़ रुपये की लागत आएगी। आईजीएक्स प्राकृतिक गैस की खरीद-बिक्री के लिए राष्ट्रीय स्तर का पहला स्वचालित एक्सचेंज है। यह भारत के ऊर्जा परिदृश्य में प्राकृतिक गैस की वृद्धि को समर्थन देने और पारदर्शी कीमत सुनिश्चित करने की कोशिश करती है। देश की सबसे बड़ी तेल शोधन एवं विपणन कंपनी आईओसी ने कहा कि आईजीएक्स में शेयर अधिग्रहण उसके लिए भारत के प्राकृतिक गैस बाजार का हिस्सा बनने का एक रणनीतिक अवसर देता है।

भारत का उपकरण और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग नए साल में दोहरे अंकों में बढ़ेगा

नई दिल्ली । बेहतरीन और तकनीकी रूप से उन्नत उत्पादों की मांग में वृद्धि से भारत के उपकरण और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग के 2022 में दोहरे अंकों में बढ़ने की उम्मीद है।उद्योग का कुल आकार इनदिनों करीब 75,000 करोड़ रुपये हैं।वहीं सेमीकंडक्टर की कमी और ओमीक्रोन की आशंका के बावजूद नया साल उद्योग के लिए मंगलमय दिख रहा है। कच्चे माल की कीमतों में बीते दिनों तेज बढ़ोतरी के बाद नरमी आने की उम्मीद के चलते भी उद्योग को मदद मिलेगी। इसके अलावा उपभोक्ता भावनाएं सकारात्मक रहने, मांग बढ़ने और आर्थिक दशाओं में सुधार से भी तेजी आएगी। उपभोक्ता अब अच्छी गुणवत्ता वाले तकनीकी रूप से उन्नत उत्पादों की मांग कर रहे हैं, घरेलू इस्तेमाल वाले स्वचालित उत्पादों की मांग बढ़ी है। सरकार ने व्हाइट गुड्स के लिए उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत 4,614 करोड़ रुपये निवेश का लक्ष्य तय किया है। कई विनिर्माता इस मौके का अधिकतम फायदा उठाने की तैयारी कर रहे हैं। सैमसंग, एलजी और पैनासोनिक जैसी प्रमुख कंपनियों ने कृत्रिम मेधा (एआई) और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) सक्षम उत्पादों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए कदम उठाए हैं और उम्मीद है कि ये रुझान अगले साल और तेजी से बढ़ने वाले है। बड़े स्क्रीन वाले टीवी, उच्च क्षमता वाले रेफ्रिजरेटर और वाशिंग मशीन तथा विशेष रूप से आईओटी और एआई सक्षम उत्पादों की मांग न केवल विकसित मेट्रो बाजारों में बल्कि छोटे टियर- 2 शहरों में भी देखी गई। गौरतलब है कि 75,000 करोड़ रुपये के टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं के कारोबार में फोन और आईटी उपकरण शामिल नहीं हैं। उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और उपकरण विनिर्माता संघ (सीईएएमए) के अध्यक्ष ने 2022 में उद्योग की संभावनाओं के बारे में कहा कि दोहरे अंकों में वृद्धि की उम्मीद है, लेकिन यह कई कारकों पर निर्भर करेगा, जिसमें मूल्य सुधार और कोविड की तीसरी लहर की आशंका शामिल है।वहीं पैनासोनिक इंडिया ने कहा, हम 2022 को लेकर आशावादी हैं।

जल्द आ रही हैं कंपनियों की शानदार एसयूवी

- मारुति-टोयोटा, होंडा और महिंद्रा की चल रही है तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कुछ महीनों के दौरान मारुति सुजुकी और टोयोटा के साथ ही महिंद्रा और होंडा जैसी ऑटोमोबाइल कंपनियां एक से बढ़कर एक मिड-साइज एसयूवी लॉन्च करने वाली है। चलिए, आपको बताते हैं कि साल 2022 में कौन-कौन सी कंपनियों सेल्टॉस, क्रेटा, ऐस्टर और एक्सयूवी700 जैसी एसयूवी को टक्कर देने के लिए क्या लॉन्च करने वाली है? अगले साल मारुति सुजुकी और टोयोटा मोटर्स की पार्टनरशिप में नई मिड-साइज एसयूवी लॉन्च होने वाली है, जिसके नाम के बारे में तो अब तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इसे टोयोटा के डीएनजीए प्लैटफॉर्म पर डिवेलप किया जाएगा, जिसमें 1.5 लीटर का पेट्रोल इंजन देखने को मिलेगा, जो कि हाइब्रिड सिस्टम से लैस होगा। इसमें सुजुकी का बूस्टरजेट पेट्रोल इंजन भी देखने को मिलेगा। अगले साल होंडा कार इंडिया भी नई मिड साइज एसयूवी लॉन्च कर सकती है, जो कि लंबाई में 4.3 मीटर हो सकती है। बीते दिनों 2021 जीआईएलएएस में इसे होंडा आरएस कान्सेप्ट के रूप में शोकेस किया गया था। माना जा रहा है कि होंडा की इस अपकमिंग एसयूवी में 1.5 लीटर 4 सिलिंडर आई-वीटेक पेट्रोल इंजन देखने को मिल सकता है। होंडा की यह एसयूवी शानदार लुक और पावरफुल फीचर्स से लैस होगी। आपको बता दें कि महिंद्रा एंड महिंद्रा भी अगले साल अपनी धांसू एसयूवी महिंद्रा एक्सयूवी500 का नेक्स्ट जेनरेशन मॉडल आल न्यू महिंद्रा एक्सयूवी 500 पेश करने वाली है, जो कि मिडसाइज एसयूवी मार्केट में हंगामा मचा देगी। बीते दिनों महिंद्रा ने अपनी खास एसयूवी महिंद्रा एक्सयूवी 700 लॉन्च कर एक्सयूवी500 को डिसकंटीन्यू कर दिया था। अब अगले साल वह नए अवतार में एक्सयूवी500 को पेश करेगी, जिसमें लेटेस्ट फीचर्स के साथ ही ज्यादा पावरफुल इंजन देखने को मिलेंगे। मालूम हो` कि भारत में एसयूवी सेगमेट की कारों की अच्छी बिक्री और इस सेगमेंट में किआ सेल्टॉस, ह्यूंदै क्रेटा, एमजी ऐस्टर और महिंद्रा एक्सयूवी700 समेत अन्य कारों की बंपर डिमांड है।

रॉयल एनफील्ड की नई क्लासिक 350 बनी पहली पसंद

100 दिनों में कंपनी ने बना डाले 1 लाख मॉडल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बाइक बनाने वाली स्वदेशी कंपनी रॉयल एनफील्ड की नई क्लासिक 350 ग्राहकों की पहली पसंद बन गई है। ग्राहकों की पसंद को देखते हुए कंपनी ने मात्र 100 दिनों में 1 लाख मॉडल बना डाले। रॉयल एनफील्ड ने एक नया मील का पत्थर हासिल कर लिया है। दरअसल, कंपनी ने इस साल सितंबर महीने में अपनी नई रॉयल एनफील्ड क्लासिक 350 को भारत में लॉन्च किया था, जिसके 100 दिनों के अंदर इसके 1 लाख मॉडल का प्रोडक्शन का आंकड़ा पार कर लिया गया है। रॉयल एनफील्ड क्लासिक 350, कंपनी की सबसे लोकप्रिय बाइक में से एक है, जिसे 13 साल बाद बड़ा अपडेट मिला है। भारतीय बाजार में इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 1.84 लाख रुपये है। नई रॉयल एनफील्ड क्लासिक 350 कई मायनों में पहले से अलग है। इसे नए छ्-प्लेटफॉर्म पर बनाया गया है, जिससे पहले के मुकाबले इसमें बेहतर राइडिंग अनुभव मिलता है। इसके अलावा बाइक की वाइब्रेशन को कम किया गया है। नई रॉयल एनफील्ड क्लासिक 350 के परफॉर्मेंस की बात करें तो इसके इंजन का रीट्यून किया गया है। इसमें पावर के लिए 349 सीसी का सिंगल सिलिंडर, 4-स्ट्रोक, एयर-कूल्ड डीओएचसी इंजन दिया गया है, जो 6100 आरपीएम पर 20.2बीएचपी का मैक्सिमम पावर और 4000 आरपीएम पर 27 एनएम का पीक टॉर्क जेनरेट करता है। इसमें 5-स्पीड गियरबॉक्स मिलता है। यह बाइक भारत में 5 ट्रिम्स में आती है। इनमें रेडीच, हालयोन, सिगनल, डार्क और क्रोम शामिल हैं। डायमेंशन की बात करें तो इसका व्हीलबेस 1390 मिलीमीटर, ग्राउंड क्लीयरेंस 170 मिलीमीटर और सीट की ऊंचाई 805 मिलीमीटर है। इसकी लंबाई 2145 मिलीमीटर, चौड़ाई 785 मिलीमीटर और ऊंचाई 1090 मिलीमीटर है। इसके फ्रंट में ट्विन पिस्टन फ्लोटिंग कैलिपर्स के साथ 300 मिलीमीटर का डिस्क ब्रेक दिया है। वहीं, इसके रियर में सिंगल पिस्टन फ्लोटिंग कैलिपर के साथ 270 मिलीमीटर का डिस्क ब्रेक या 153 मिलीमीटर का ड्रम ब्रेक चुनने का विकल्प मिलेगा। सुरक्षा के लिए इसमें सिंगल या डुअल चैनल एबीएस चुनने का विकल्प मिलेगा। इसके फ्रंट में टेलिस्कोपिक, 41 मिलीमीटर फॉर्क्स, 130 मिलीमीटर ट्रेवल दिया गया है।इसके हैंडलबार के नीचे एक यूएसबी चार्जिंग प्वांइट दिया गया है। इसके क्रोम वैरिएंट पर टर्न-बाय-टर्न ट्रिपर नेविगेशन पॉड फीचर मिलता है। वहीं, इसके रियर में ट्विन ट्यूब इमल्शन शॉक अब्जॉर्बर्स के साथ 6-स्टेप एडजस्टेबल प्रीलोड दिया गया है। इसमें 13 लीटर का पेट्रोल टैंक दिया गया है। इसका कर्ब वजन 195 किलोग्राम है। इसमें नया डिजी-एनालॉग इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर दिया गया है, जिसमें एलसीडी इंफो पैनल लगा है।

जियो ने अक्टूबर में 17.6 लाख नए ग्राहक जोड़े, एयरटेल, वोडाफोन, आइडिया के 14.5 लाख ग्राहक घटे

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश की सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी रिलायंस जियो के मोबाइल ग्राहकों की संख्या अक्टूबर में 17.6 लाख बढ़ी। जबकि भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया के ग्राहकों में संयुक्त रूप से 14.5 लाख की कमी आई। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के आंकड़ों के अनुसार भारती एयरटेल के ग्राहकों की संख्या अक्टूबर महीने में 4.89 लाख घटी जबकि वोडाफोन आइडिया के ग्राहकों की संख्या 9.64 लाख कम हुई है। ट्राई के अनुसार रिलायंस जियो के मोबाइल फोन ग्राहकों की संख्या अक्टूबर में 17.61 लाख बढ़कर 42.65 करोड़ पर पहुंच गई। इसके पहले सितंबर महीने में कंपनी के 1.90 लाख ग्राहक छिटक गए थे। ट्राई के मासिक आंकड़ों के अनुसार देश की दूसरी सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल के ग्राहकों की संख्या आलोच्य महीने में 4.89 लाख घटकर 35.39 करोड़ रही। एयरटेल ने सितंबर में 2.74 लाख नए ग्राहक जोड़े थे। वोडाफोन आइडिया के ग्राहकों की संख्या अक्टूबर महीने में 9.64 लाख कम होकर 26.90 करोड़ रही। सितंबर महीने में कंपनी ने 10.77 लाख ग्राहक गंवाये थे। देश में टेलीफोन ग्राहकों की संख्या अक्टूबर 2021 में 0.04 प्रतिशत बढ़कर 118.96 करोड़ रही। आंकड़े के अनुसार ब्रॉडबैंड ग्राहकों की संख्या अक्टूबर में बढ़कर 79.8 करोड़ पर पहुंच गयी।

वेदांता ने निकल-कोबाल्ट उत्पादक निकोमेट का अधिग्रहण किया

नई दिल्ली (एजेंसी):

खनन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी वेदांता ने सोमवार को कहा कि उसने गोवा स्थित निकोमेट का अधिग्रहण किया है, जो एक प्रमुख निकल और कोबाल्ट उत्पादक है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि यह अधिग्रहण वेदांता के ईएसजी (पर्यावरण, सामाजिक और संचालन) मिशन के अनुरूप है और भारत के कार्बन उत्सर्जन को लेकर तटस्थता लक्ष्यों का समर्थन करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस अधिग्रहण के साथ वेदांता देश में निकल का एकमात्र उत्पादक बन गया है। बयान में कहा गया, ''यह अधिग्रहण प्रमुख खनिजों में भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में वेदांता का एक महत्वपूर्ण कदम है।'' निकेल का इस्तेमाल स्टेनलेस स्टील और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिए बैटरी के विनिर्माण में होता है। कोबाल्ट ईवी की लिथियम आयन बैटरी, ऊर्जा भंडारण प्रणालियों और अन्य उपयोग के लिए एक प्रमुख तत्व है। निकल और कोबाल्ट, दोनों को भविष्य के खनिज के रूप में माना जाता है, जो स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने में अग्रणी भूमिका निभाएंगे। वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने कहा, ''हम निकल और कोबाल्ट उत्पादन में वेदांत के प्रवेश को लेकर उत्साहित हैं, जो आत्मनिर्भर भारत के लिए सरकार के मिशन का समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। निकल और कोबाल्ट अत्यधिक रणनीतिक महत्व की धातु हैं। स्वच्छ ऊर्जा और विद्युत गतिशीलता के लिए इनका खासतौर से महत्व है।'' उन्होंने कहा, ''इस समय भारत अपनी निकल संबंधी जरूरतों को पूर तरह आयात के जरिए पूरा करता है। हमारा ध्यान घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने पर होगा।''

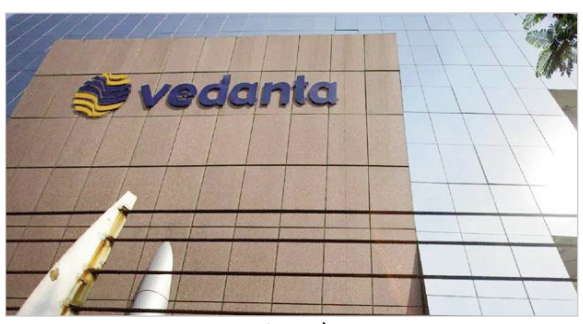

टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुएं: चिप की कमी के बावजूद दोहरे अंकों की वृद्धि की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी):

बेहतरीन और तकनीकी रूप से उन्नत उत्पादों की मांग में वृद्धि के साथ भारत के उपकरण और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग के 2022 में दोहरे अंकों में बढ़ने की उम्मीद है। इस उद्योग का कुल आकार इस समय करीब 75,000 करोड़ रुपए है और सेमीकंडक्टर की कमी और ओमीक्रॉन संक्रमण की आशंका के बावजूद नया साल उद्योग के लिए मंगलमय दिख रहा है। कच्चे माल की कीमतों में बीते दिनों तेज बढ़ोतरी के बाद अब नरमी आने की उम्मीद के चलते भी उद्योग को मदद मिलेगी। इसके अलावा उपभोक्ता भावनाएं सकारात्मक रहने, मांग बढ़ने और आर्थिक दशाओं में सुधार से भी तेजी आएगी।

उपभोक्ता अब अच्छी गुणवत्ता वाले तकनीकी रूप से उन्नत उत्पादों की मांग कर रहे हैं और घरेलू इस्तेमाल वाले स्वचालित उत्पादों की मांग बढ़ी है। सरकार ने व्हाइट गुड्स के लिए उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत 4,614 करोड़ रुपए निवेश का लक्ष्य तय किया है। कई विनिर्माता इस मौके का अधिकतम फायदा उठाने की तैयारी कर रहे हैं। सैमसंग, एलजी और पैनासोनिक जैसी प्रमुख कंपनियों ने कृत्रिम मेधा (एआई) और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) सक्षम उत्पादों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए कदम उठाए हैं और उम्मीद है कि ये रुझान अगले साल और तेज होंगे। बड़े स्क्रीन वाले टीवी, उच्च क्षमता वाले रेफ्रिजरेटर और वाशिंग मशीन तथा विशेष रूप से आईओटी और एआई सक्षम उत्पादों की मांग न केवल विकसित मेट्रो बाजारों में बल्कि छोटे टियर- 2 शहरों में भी देखी गई।

गौरतलब है कि 75,000 करोड़ रुपए के टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं के कारोबार में फोन और आईटी उपकरण शामिल नहीं हैं। उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और उपकरण विनिर्माता संघ (सीईएएमए) के अध्यक्ष एरिक ब्रागांजा ने 2022 में उद्योग की संभावनाओं के बारे में कहा कि दोहरे अंकों में वृद्धि की उम्मीद है, लेकिन यह कई कारकों पर निर्भर करेगा, जिसमें मूल्य सुधार और कोविड महामारी की तीसरी लहर की आशंका शामिल है। पैनासोनिक इंडिया के चेयरमैन और सीईओ मनीष शर्मा ने कहा, ''हम 2022 को लेकर आशावादी हैं। हम अपने लक्ष्यों की ओर आगे बढ़ते रहेंगे, और लचीलेपन के साथ अपनी क्षमताओं का अधिकतम इस्तेमाल करेंगे।''

बढ़ती मुद्रास्फीति के बीच सेबी ने गेहूं, पाम तेल समेत अन्य जिंसों के नए डेरिवेटिव अनुबंध रोके

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बढ़ती मुद्रास्फीति के मद्देनजर बाजार नियामक सेबी ने अगले आदेश तक गेहूं, कच्चे पाम तेल, मूंग और कुछ अन्य जिंसों में नए डेरिवेटिव अनुबंध पर रोक लगाने का निर्देश दिया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक नए डेरिवेटिव पर पाबंदी लगाने वाला यह निर्देश तत्काल प्रभाव से लागू होगा। सेबी के ये निर्देश एक साल के लिए लागू होंगे। जहां तक पहले से चल रहे अनुबंधों का सवाल है तो उनमें कोई भी नया सौदा करने की अनुमति नहीं दी जाएगी और केवल सौदे को पूरा करने की ही इजाजत होगी। धान (गैर-बासमती), गेहूं, सोयाबीन, कच्चे पाम तेल और मूंग के लिए नए अनुबंधों की शुरूआत पर नियामक ने अगले आदेश तक रोक लगा दी है। इस सूची में चना, और सरसों के बीज और इसके डेरिवेटिव भी शामिल हैं। इन जिंसों में डेरिवेटिव अनुबंधों को साल की शुरुआत में निलंबित कर दिया गया था। सात कृषि जिंसों पर डेरिवेटिव को एक साल के लिए प्रतिबंधित करने के इस कदम को एचडीएफसी सिक्योरिटीज के खुदरा शोध प्रमुख दीपक जसानी ने खाद्य उत्पादों से बढ़ते मुद्रास्फीति दबाव का नतीजा बताया है। वहीं नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड (एनसीडीईएक्स) ने कहा कि इस सूची में शामिल जिंसों में अगले आदेश तक कोई भी नया सौदा नहीं किया जा सकेगा। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के कार्यकारी निदेशक बी वी मेहता ने कहा कि सरकार घरेलू बाजार में खाने के तेल की ऊंची कीमतों के कारण यह कदम उठाने को मजबूर हुई है।

Sports

कोरोना अपडेट : प्रीमियर लीग में 90 और नए कोरोना मामलों की पुष्टि

लंदन। इंग्लिश प्रीमियर लीग में कोरोना का कहर जारी है। यहां 20 क्लबों में कोविड-19 के 90 और नए मामले मिले हैं। एक हफ्ते पहले, इंग्लिश फुटबॉल लीग ने पुष्टि की थी कि 6 दिसंबर से 12 दिसंबर के बीच 3,805 खिलाड़ियों और क्लब के कर्मचारियों ने कोरोना का टेस्ट कराया था, जिनमें से 42 लोगों के कोरोना संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी। सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, लीग ने तब से सतर्कता बढ़ा दी है। खिलाड़ियों और क्लब के कर्मचारियों का सप्ताह में दो बार कोरोना टेस्ट किया जा रहा है। सोमवार शाम को जारी एक बयान में कहा गया है, लीग आज पुष्टि कर सकती है कि सोमवार 13 दिसंबर से रविवार 19 दिसंबर के बीच, खिलाड़ियों और क्लब के कर्मचारियों ने रिकॉर्ड 12,345 कोरोना टेस्ट करवाया था। इनमें से 90 नए पॉजिटिव मामले सामने आए थे। लीग ने यह भी पुष्टि की है कि 84 प्रतिशत खिलाड़ियों ने कम से कम एक कोरोना की वैक्सीन ली हुई है।

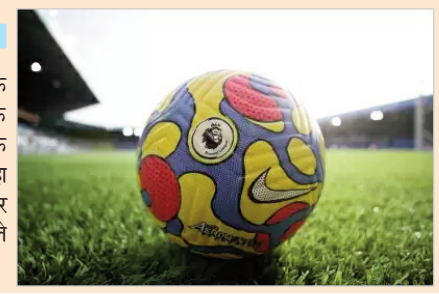

अमेरिका आयरलैंड के खिलाफ ऐतिहासिक क्रिकेट सीरीज के लिए तैयार

फ्लोरिडा (एजेंसी)।

सितंबर 2019 के बाद पहली बार अमेरिका 22 दिसंबर को यहां सेंट्रल ब्रोवार्ड रीजनल पार्क स्टेडियम में आयरलैंड के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच सीरीज की मेजबानी करने के लिए तैयार है। सीरीज में दो टी20 मैच और तीन वनडे अंतर्राष्ट्रीय मैच शामिल हैं और इसका समापन 30 दिसंबर को होगा। दोनों टीमों के बीच के अभ्यास खेल रद्द होने और कोविड-19 महामारी के कारण तैयारियां पूरी तरह से नहीं हो सकी। बैरी मैकार्थी, जॉर्ज डॉकरेल, हैरी टेक्टर और गैरेथ डेलानी सहित अपने कई सदस्यों के बाहर होने बाद आयरलैंड को टीम में कई बदलाव करने पड़े हैं, क्योंकि वे सीमित ओवरों की सीरीज से पहले कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे। अब उन्हें 10 दिनों के आइसोलेशन में रहने की सलाह दी गई है। संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए करीमा गोर, जसकरन मल्होत्रा और आरोन जोन्स को शुरुआती टीमों में नामित किए जाने के बाद बाहर कर दिया गया है। इनकी जगह चार अन्य खिलाड़ियों को शामिल किया गया है, जिनमें से तीन अंडर-19 खिलाड़ी हैं। ऋत्विक बेहेरा को एकदिवसीय और टी20 दोनों टीमों में नामित किया गया है, जबकि यासिर मोहम्मद अली शेख और रयान स्कॉट को टी20 टीम में जगह दी गई है। वहीं, चोट के कारण रस्टी थेरॉन भी उपलब्ध नहीं हो पाएंगे।

सभी मैच यहां सेंट्रल ब्रोवार्ड रीजनल पार्क स्टेडियम में खेले जाएंगे।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं-

आयरलैंड टी20 टीम : एंड्रयू बलबर्नी (कप्तान), मार्क अडायर, कर्टिस कैंपर, गैरेथ डेलनी, जॉर्ज डॉकरेल, शेन गेटकेट, जोश लिटिल, बैरी मैकार्थी, विलियम मैकक्लिंटॉक, नील रॉक, सिमी सिंह, पॉल स्टर्लिंग, लोर्कन टकर, बेन व्हाइट और क्रेग यंग।

आयरलैंड वनडे टीम : एंड्रयू बलबर्नी (कप्तान), मार्क अडायर, कर्टिस कैंपर, जॉर्ज डॉकरेल, जोश लिटिल, एंडी मैकब्राइन, बैरी मैकार्थी, विलियम पोर्टरफील्ड, नील रॉक, सिमी सिंह, पॉल स्टर्लिंग, हैरी टेक्टर, लोर्कन टकर, बेन व्हाइट और क्रेग यंग।

यूएसए टी20 टीम : मोनांक पटेल (कप्तान), अली खान, अली शेख, गजानंद सिंह, जसदीप सिंह, मार्टी केन, निसर्ग पटेल, ऋत्विक बेहेरा, रयान स्कॉट, सौरभ नेत्रवलकर, स्टीवन टेलर, सुशांत मोदानी, वत्सल वाघेला, जेवियर मार्शल और यासिर मोहम्मद।

यूएसए वनडे टीम: मोनांक पटेल (कप्तान), आरोन जोन्स, अली खान, गजानंद सिंह, जसदीप सिंह, जसकरण मल्होत्रा, मार्टी केन, निसर्ग पटेल, नोस्टश केंजीगे, राहुल जरीवाला, ऋत्विक बेहेरा, सौरभ नेत्रवलकर, स्टीवन टेलर, सुशांत मोदानी, वत्सल वाघेला और जेवियर मार्शल।

मुचोवा ने ऑस्ट्रेलियन ओपन से वापस लिया नाम, ये बड़े खिलाड़ी भी हो चुके हैं बाहर

प्राग (एजेंसी)।

चेक गणराज्य की टेनिस खिलाड़ी कैरोलिना मुचोवा ने चोट के कारण अगले साल के पहले ग्रैंड स्लैम टेनिस टूर्नामेंट ऑस्ट्रेलियन ओपन 2022 से नाम वापस ले लिया। डब्ल्यूटीए टूर की दो बार की फाइनिस्ट मुचोवा ने मंगलवार को एक ट्वीट में कहा, 'मुझे यह घोषणा करते हुए दुख हो रहा है कि मेरा 2022 सीजन ऑस्ट्रेलिया में शुरू नहीं होगा। मैं जितनी जल्दी हो सके कोर्ट पर वापसी करने के लिए हर संभव कोशिश कर रही हूं। उल्लेखनीय है कि 25 वर्षीय मुचोवा ने इस साल फरवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन के 2021 संस्करण में सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। अपने शानदार प्रदर्शन की बदौलत वह इस साल दुनिया के शीर्ष 20 खिलाड़ियों में भी शुमार हुई थी। उन्होंने 19वीं रैंकिंग हासिल की थी जो उनकी करियर बेस्ट एकल रैंकिंग है। वह हालांकि सितंबर में यूएस ओपन में पहले दौर में हार के बाद चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गईं थी। समझा जाता है कि इसके बाद से वह चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाईं हैं। मुचोवा ऑस्ट्रेलिया के मेलबोर्न में 17 से 30 जनवरी तक आयोजित होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन 2022 टूर्नामेंट से बाहर होने वाली पांचवीं खिलाड़ी हैं। इससे पहले उनकी हमवतन करोलिना प्लिस्कोवा, अमरीकी की जेनिफर ब्रैडी और सेरेना विलियम्स तथा कनाडा की बियांका एंड्रीस्कु ने 2022 के पहले बड़े टेनिस टूर्नामेंट से बाहर होने का ऐलान किया था।

विराट के पास द्रविड़-सहवाग का रिकार्ड तोड़ने का मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली के पास दक्षिण अफ्रीका के साथ 26 दिसंबर से शुरु होने वाली टेस्ट सीरीज में पूर्व क्रिकेटर व वर्तमान कोच राहुल द्रविड़ और पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के एक रिकार्ड को तोड़ने का मौका है। भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका दौरे पर तीन टेस्ट मैच खेलेगी। इस सीरीज का पहला टेस्ट बॉक्सिंग डे के अवसर पर 26 दिसंबर से शुरू होगा। भारतीय टीम अभी तक दक्षिण अफ्रीका में एक भी टेस्ट सीरीज नहीं जीत पायी है। इसलिए इस दौरे में विराट की राह आसान नहीं कही जा सकती है। विराट को यदि दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट सीरीज जीतने वाला पहला कप्तान बनना है तो उन्हें बेहतर प्रदर्शन करना होगा। विराट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अब तक 12 टेस्ट में 59.72 की औसत से कुल 1075 रन बनाये हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनसे ज्यादा रन केवल तीन भारतीय बल्लेबाजों सचिन तेंदुलकर 1741 रन के साथ वीरेंद्र सहवाग 1306 और राहुल द्रविड़ 1252 ने बनाये हैं। अगर विराट कोहली इस दौरे पर 232 रन बना लें तो वह सहवाग और द्रविड़ से आगे निकल जाएंगे। वहीं खराब फार्म के कारण आलोचनाएं झेलने वाले अजिंक्य रहाणे और चेतेश्वर पुजारा भी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इस सीरीज में उतरेंगे पर सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों में ये शामिल नहीं हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पुजारा ने 758 और रहाणे ने 748 रन बनाए हैं। इस प्रकार ये खिलाड़ी अगर बहुत अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो विराट के करीब पहुंच सकते हैं।

भारतीय कोच द्रविड़ ने कप्तान कोहली और पंत को दिए टिप्स

सेंचुरियन (एजेंसी)।

26 दिसंबर से भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन टेस्ट मैचों की सीरीज की शुरुआत बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच से होने वाली है। इसलिए भारतीय टीम टेस्ट सीरीज जीतने के लिए जोहान्सबर्ग की परिस्थितियों से अनुकूल होने के साथ कड़ी मेनहत कर रही है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को टीम के दूसरे अभ्यास सत्र की तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें खिलाड़ी कड़ी मेहनत करते नजर आ रहे हैं। एक लंबे अभ्यास सत्र में मुख्य कोच राहुल द्रविड़ खिलाड़ियों को कुछ स्पेशल टिप्स देते दिखाई दे रहे हैं। द्रविड़ ने पहले प्रशिक्षण सत्र में अच्छा अभ्यास पर जोर दिया था, इसके बाद सोमवार को उन्होंने विकेटकीपर ऋषभ पंत और रिद्धिमान साहा को विकेट के पीछे कुछ स्पेशल गुण सिखाए। जोहान्सबर्ग में 1400 मीटर की ऊंचाई पर बदलते मौसम को ध्यान में रखते हुए विराट कोहली एक स्वेटर पहनकर अभ्यास सत्र मे हिस्सा लेने आए थे, जिसके बाद उन्हें द्रविड़ से बल्लेबाजी के टिप्स लेते हुए देखा गया।बाद में द्रविड़ और बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर को जसप्रीत बुमराह सहित भारतीय तेज गेंदबाजों के साथ बातचीत करते देखा गया, जिन्हें यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए आराम दिया गया था। तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला के दौरान भारत के तेज गेंदबाजों पर होगा। यह अफ्रीकी बल्लेबाजों को चुनौती देते नजर आएंगे। द्रविड़ इस बात पर खास ध्यान देते नजर आए कि कैसे नेट्स में मोहम्मद सिराज और उमेश यादव गेंदबाजी कर रहे हैं। सोमवार को, भारत के गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे ने कहा था कि उनके खिलाड़ियों को उछाल वाली परिस्थितियों के लिए तैयार रहना होगा और सही क्षेत्रों पर हिट करने के लिए उन्हें अपनी तकनीक पर काम करना होगा।

संक्षिप्त समाचार

डोपिंग मामलों में एक पायदान ऊपर तीसरे स्थान पर पहुंचा भारत

नई दिल्ली । भारत विश्व के उन देशों की सूची में बना हुआ है जहां डोपिंग के सर्वाधिक मामले पाए गए हैं और 2019 में डोपिंगरोधी नियमों का उल्लंघन करने के मामलों के आधार पर वह तीसरे स्थान पर था। विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार भारत में 2019 में डोपिंगरोधी नियमों के उल्लंघन के 152 मामले (विश्व के कुल मामलों का 17 प्रतिशत) पाए गए जिसमें डोपिंग के सर्वाधिक आरोपी बॉडीबिल्डिंग (57) में पाए गए। डोपिंगरोधी नियमों का उल्लंघन करने वाले ओलंपिक खेलों में भारोत्तोलन 25 मामलों के साथ सबसे आगे है। उसके बाद एथलेटिक्स (20) और कुश्ती (10) का नंबर आता है। मुक्केबाजी और जूडो में 4-4 ऐसे मामले पाए गए। चार क्रिकेटरों ने भी 2019 में डोपिंगरोधी नियमों का उल्लंघन किया था। भारत इस सूची में केवल रूस (167) और इटली (157) से पीछे है, जबकि ब्राजील (78) चौथे और ईरान (70) पांचवें स्थान पर है। अंतरराष्ट्रीय डोपिंग रोधी नियमों का पालन नहीं करने के कारण रूस तोक्यो ओलंपिक में अपनी राष्ट्रीय टीम को नहीं उतार पाया था और उसके खिलाड़ियों ने रूसी ओलंपिक समिति के तहत हिस्सा लिया था। भारत 2018 में डोपिंगरोधी नियमों के उल्लंघन के मामलों चौथे जबकि 2017 में सातवें स्थान पर था। भारत में 2017 में 57 जबकि 2018 में 107 मामले पाये गये थे। वह 2018 में रूस (144), इटली (132) और फ्रांस (114) के बाद चौथे स्थान पर था। उस रिपोर्ट में डोपिंगरोधी नियमों का उल्लंघन करने वाले सर्वाधिक खिलाड़ी भारोत्तोलन (22) से थे और उसके बाद एथलेटिक्स (16) का नंबर था।

श्रीलंकाई बोर्ड ने यो-यो टेस्ट अनिवार्य किया

नई दिल्ली । क्रिकेट में अब खिलाड़ियों की फिटनेस अहम हो गयी है। इसी को देखते हुए श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने खिलाड़ियों के यो-यो टेस्ट अनिवार्य कर दिया है। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने सभी क्रिकेटर्स के लिए नए साल से फिटनेस के नए पैमाने तय किये हैं। इसके तहत अगर खिलाड़ी फिट नहीं पाए जाते हैं, तो उनका वेतन भी काटा जा सकता है। अगर कोई खिलाड़ी 8.35 मिनट से 8.55 मिनट में 2 किमी. दौड़ता है, तो अनुबंध के अनुसार उसके तय वेतन में कटौती हो सकती है। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड के यो-यो टेस्ट में 2 किमी. की रेस को पैमाना बनाया गया है। इसमें अगर कोई 8.55 मिनट से अधिक समय लेता है, तो उसका टीम में चयन नहीं होगा। 8.35 से 8.55 मिनट पर वेतन काटा जाएगा। अगर कोई खिलाड़ी 2 किमी. के लिए 8.10 मिनट से कम समय लेता है, तभी उसका चयन हो सकेगा। यही टीम में चयन होने का नया पैमाना होगा। पहला फिटनेस टेस्ट 7 जनवरी को होगा, जिसमें अनुबंध में शामिल सभी खिलाड़ियों को भाग लेना होगा। इसके अलावा महीने में कभी भी अचानक जांच होगी। इससे पहले श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने महेला जयवर्धने को टीम का सलाहकार बनाया था जो अब अपने देश की टीम में बदलाव लाने में लगे हैं।

2018 से 2020 के बीच कई बार सोचा कि संन्यास ले लूं: अश्विन

जोहान्सबर्ग (एजेंसी)।

भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने 2018 और 2020 के बीच कई बार संन्यास लेने के बारे में सोचा था, क्योंकि उन्हें लगा था कि चोटों के कारण वह दोबारा मैदान पर नहीं उतर पाएंगे। यहां तक की लोगों का भी उन्हें समर्थन नहीं मिल रहा था। अश्विन, जो वर्तमान में तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर हैं, उन्होंने कहा है कि 2017 और 2019 के बीच उन्हें चोट लगी, जिससे उनका चलना भी दूभर हो गया और दर्द के कारण उन्होंने सेवानिवृत्ति के बारे में भी सोचा। अश्विन ने मंगलवार को ईएसपीएन क्रिकइन्फो को बताया, 2018 और 2020 के बीच, मैंने विभिन्न बिंदुओं पर खेल को छोड़ने पर विचार किया था। चोटों के कारण मुझे बेहद परेशानी होती थी, यहां तक की मैं छह गेंद फेंकता था तो मेरी सांसें फुल जाती थी। मैं जितनी मेहनत करता था, उसका मुझे फायदा नहीं हो रहा था। ऑफ स्पिनर ने कहा कि जब वह उस दौर से गुजर रहे थे तो लोग पर्याप्त संवेदनशील नहीं थे और उन्होंने अपने इरादे और लड़ने की इच्छा पर जोर देना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा, आप मुझे कुछ भी कह सकते हैं या आप मुझे बाहर निकाल सकते हैं, जो की ठीक है। लेकिन आप मेरे इरादे या मेरे संघर्ष पर संदेह नहीं कर सकते हैं, जिससे मुझे बहुत दुख पहुंचा है। मैंने कई कारणों से संन्यास के बारे में सोचा। मुझे लगा कि लोग मेरी चोटों के प्रति संवेदनशील नहीं थे। मैंने देखा है कि बहुत सारे लोगों का समर्थन किया गया है, मुझे क्यों नहीं? मैंने टीम के लिए बहुत सारे मैच जीते हैं और मेरा ही कोई समर्थन नहीं कर रहा है।अश्विन ने कहा कि उन्होंने महसूस किया कि उनके करियर में कई बार उतार-चढ़ाव आए हैं। ऐसे समय में उनकी पत्नी और पिता ही उनका समर्थन कर रहे थे। जो हमेशा आशावादी थे कि मैं वापसी करूंगा।

वॉर्न ने इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन में बड़े बदलाव करने के दिए सुझाव

एडिलेड।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के दिग्गज शेन वार्न ने मंगलवार को कहा है कि इंग्लैंड एशेज सीरीज में फिर से फाइट बैक कर सकता है। इसके लिए इंग्लैंड की टीम को 26 दिसंबर से शुरू होने वाले बॉक्सिंग डे टेस्ट से पहले प्लेइंग इलेवन मे बदलाव करने की जरूरत है। इंग्लैंड पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में 0-2 से पीछे है। सोमवार को एडिलेड ओवल में उन्हें 275 रन से हार मिली थी। इससे पहले गाबा के शुरुआती मैच में नौ विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। ऑस्ट्रेलिया की जीत के बाद, पूर्व स्पिन गेंदबाज ने मेजबान टीम को सोशल मीडिया पर बधाई दी और निराशाजनक प्रदर्शन से उबरने के लिए इंग्लैंड को कई सुझाव दिए। वार्न ने ट्वीट किया, ऑस्ट्रेलियाई टीम को जीत के लिए बधाई। इंग्लैंड के पास मेलबर्न में वापसी करने का अभी भी मौका है। उन्हें उस परिस्थितियों के लिए स्पिनर सहित सही टीम चुनकर अच्छी शुरुआत करने के बारे में सोचना चाहिए। जाक क्रॉली, मार्क वुड, जॉनी बेयरस्टो और जैक लीच को टीम में मौका देना चाहिए। जल्द ही, वॉर्न के फॉलोअर्स ने उनके पोस्ट पर जवाब देना शुरू कर दिया, जब पूर्व गेंदबाज ने पूछा कि वे एमसीजी टेस्ट के लिए इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन में किसे खेलता देखना चाहते हैं। इसके जवाब में एक यूजर ने जवाब दिया, क्रॉली, बेयरस्टो, वुड और लीच को खेलते देखना चाहते हैं। सोमवार को द क्रिकेटर की एक रिपोर्ट के अनुसार, तेज गेंदबाज साकिब महमूद को अतिरिक्त खिलाड़ी के रूप में रखा गया है और उन्हें तीसरे टेस्ट के लिए बुलाए जाने की संभावना है।

दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्टजे टेस्ट सीरीज से बाहर

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्टजे 26 दिसंबर से शुरू होने वाली भारत के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने मंगलवार को ट्विटर पर एक पोस्ट करते हुए कहा, एनरिक नॉर्टजे चोट के कारण 3 मैचों की टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 28 वर्षीय दाएं हाथ के तेज गेंदबाज की जगह किसी दूसरे खिलाड़ी को नहीं लाया जाएगा, जिन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2021 दिल्ली कैपिटल्स की ओर से सबसे तेज गेंदें फेंकी थीं। नॉर्टजे, जिन्होंने अब तक 12 टेस्ट मैचों में 47 विकेट लिए हैं। वह दुनिया के सबसे खतरनाक गेंदबाजों में से एक हैं और उनकी अनुपस्थिति से दक्षिण अफ्रीकी टीम को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

इंडिया ओपन 2022 : 11 जनवरी से शुरू होगा टूर्नामेंट, सिंधु-श्रीकांत और लक्ष्य भाग लेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)।

इंडिया ओपन 2022 बैडमिंटन टूर्नामेंट की शुरुआत 11 जनवरी से होगी और 16 जनवरी तक यह टूर्नामेंट चलेगा। हाल ही में नए विश्व चैंपियन बने सिंगापुर के लोह कीन यू, रजत पदक जीतने वाले किदांबी श्रीकांत और ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाले लक्ष्य सेन इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। इसके अलावा दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु भी यह टूर्नामेंट खेलेंगी। यह टूर्नामेंट एचएसबीसी बीडब्लूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 500 का हिस्सा होगा। विजेता खिलाड़ी को करीब 30 लाख रुपये (400000 डॉलर) दिए जाएंगे।टूर्नामेंट में भारत से लक्ष्य सेन, एचएस प्रणय, पारुपल्ली कश्यप और समीर वर्मा हिस्सा लेंगे। वहीं, इंडोनेशिया के अनुभवी खिलाड़ी टॉमी सुगियार्तो भी यह टूर्नामेंट खेलेंगे। महिलाओं में सिंधु, दिग्गज साइना नेहवाल, मालविका बंसोड़, आकर्षी कश्यप और अश्मिता चालिहा भी यह टूर्नामेंट खेलती नजर आएंगी। अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों की बात करें, तो विश्व नंबर-12 थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफान और सिंगापुर की जिया मिन यू भी इस टूर्नामेंट में खेलती नजर आएंगी। पुरुष डबल्स कैटेगरी में चिराग शेट्टी और सात्विकसाइराज रंकीरेड्डी की जोड़ी पर सबकी नजरें होंगी। हालांकि, उन्हें तीन बार की विश्व चैंपियन और विश्व नंबर-2 जोड़ी इंडोनेशिया के मोहम्मद अहसान और हेंडरा सेतियावान की जोड़ी से कड़ी चुनौती मिल सकती है। इसके अलावा विश्व नंबर-8 इंडोनेशिया के फजर अलफियान और मोहम्मद रियान आर्दियांतो की जोड़ी से भी कड़ी टक्कर हो सकती है। महिला डबल्स कैटेगरी में अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी की जोड़ी भारतीय दल की अगुवाई करेगी। उन्हें विश्व नंबर-9 थाईलैंड की जोंगकोलफान कितिथाराकुल और राविंडा प्रजोंगजाई की जोड़ी से कड़ा मुकाबला मिल सकता है। इसके अलावा गायत्री पी और तृषा जॉली भी इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी। इसके अलावा मिक्स्ड डबल्स के भी मैच खेले जाएंगे। वर्ल्ड टूर सुपर 500 टूर्नामेंट की दो साल के ब्रेक के बाद वापसी हो रही है। इसे कोरोनाकाल में स्थगित कर दिया गया था। इंडिया ओपन 2022 इंदिरा गांधी स्टेडियम के केडी जाधव इंडोर हॉल में खेला जाएगा। टूर्नामेंट के दौरान सख्त कोरोना प्रोटोकॉल का भी खिलाड़ियों द्वारा पालन किया जाएगा।

झूलन गोस्वामी प्री-बिड पाने वाली दुनिया की पहली महिला क्रिकेटर बनीं

नई दिल्ली : दुबई स्थित क्रिकफ्लिक्स ने रेयर नान फंगेबल टोकन (एनएफटी) क्रिकेट मेमोरैबिलिया ऑक्शन लान्च करने के लिए रेवस्पोर्ट्ज और फैनेटिक स्पोर्ट्स के साथ हाथ मिलाया है और भारत की दिग्गज महिला क्रिकेटर झूलन गोस्वामी इसमें प्री-बिड पाने वाली दुनिया की पहली महिला क्रिकेटर बन गई है। यह आक्शन 24 दिसम्बर को होगा। नीलामी शुरू होने से पहले ही गोस्वामी की 2017 विश्व कप जर्सी प्री-बिड हो चुकी है। इससे झूलन एनएफटी क्रिकेट जगत में कई दिग्गजों की बराबरी पर आ गई हैं। महिला इंटरनेशनल वनडे मैचों में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज झूलन ने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं। क्या मैं कह सकती हूं कि यह मेरे कई अन्य साथियों के लिए एनएफटी मूल्य को अनलॉक करने और प्रशंसकों तक पहुंचने की शुरुआत होगी। पहले ही 200,000 अमरीकी डॉलर की पूर्व बोलियां लगाई जा चुकी हैं, जो यह दर्शाता है कि क्रिकफ्लिक्स को दुनिया भर के क्रिकेट प्रशंसकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। क्रिकफ्लिक्स के सह-संस्थापक अनवर हुसैन ने कहा, 'हम क्रिकफ्लिक्स में, इसके पीछे एक प्रसिद्ध इतिहास के साथ विश्व स्तरीय क्रिकेट मेमोराबिलिया लाकर मेटावर्स में शक्तिशाली परिवर्तन ला रहे हैं। यह भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक दुर्लभ संपत्ति वर्ग का एक निवेश टुकड़ा है जहां मेटावर्स और भौतिक दुनिया एक साथ आते हैं और फलते-फूलते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

करियर बनाना चाहते हैं बेहतर, तो इन 5 स्कॉलरशिप के लिए जरूर करें अप्लाई

केंद्र सरकार और अलग-अलग राज्यों की सरकार 12वीं के बाद कई तरह की स्कॉलरशिप स्कीम चलाती है। इन स्कॉलरशिप की मदद से छात्र आर्थिक रूप से कमजोर छात्र भी सिंपल ग्रेजुएशन से लेकर विदेशों में पढ़ने का सपना भी पूरा कर सकते हैं।

आज भी हमारे देश में करोड़ों परिवार गरीबी रेखा के नीचे रह रहे हैं। जिसके कारण इन परिवार से आने वाले छात्रों के भविष्य में उनकी कमजोर आर्थिक स्थिति सबसे बड़ा रोड़ा बन जाती है। ऐसे ही छात्रों की मदद के लिए सरकार कई तरह की स्कॉलरशिप देती है।

किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना

इस स्कॉलरशिप का उद्देश्य साइंस के क्षेत्र में छात्रों को बेहतर करियर देने का है। इसमें हायर स्टडी से लेकर रिसर्च प्रोग्राम तक के लिए स्कॉलरशिप प्रोवाइड की जाती है। साइंस और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में फेलोशिप के जरिए छात्रों को प्रोत्साहन दिया जाता है। इस स्कॉलरशिप के लिए एक परीक्षा देनी होती है जो छात्र इस परीक्षा को पास करते हैं उन्हें सरकार की ओर से अनुदान दिया जाता है। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस की ओर से यह परीक्षा आयोजित की जाती है इस में बैठने के लिए उम्मीदवारों को 75% अंक के साथ पास होना अनिवार्य है।

प्रधानमंत्री स्कॉलरशिप स्कीम

इस स्कॉलरशिप स्कीम का फायदा वे छात्र उठा सकते हैं जिनके माता-पिता आर्मी, नेवी या एयर फोर्स से जुड़े हैं। जो छात्र 12वीं में 75 प्रतिशत मार्क्स लाते हैं, उन छात्रों को 10 महीने तक 10 हजार रुपये की छात्रवृत्ति दी जाएगी। वहीं जो छात्र किसी भी तरह का व्यवसायिक पाठ्यक्रम की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें 4-5 वर्ष के लिए हर महीने 2000 रुपये की छात्रवृत्ति दी जाएगी। लेकिन इस स्थिति में उन छात्रों के हर विषय में कम से कम 50 प्रतिशत अंक होने चाहिए। अगर आप इस स्कॉलरशिप स्कीम के लिए अप्लाई कर रहे हैं तो आपकी उम्र 18 से 25 वर्ष के बीच होनी चाहिए। यह योजना मुख्य रूप से आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए है।

प्रगति स्कॉलरशिप स्कीम

प्रगति स्कॉलरशिप स्कीम मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय की ओर से दिया जाता है। 12वीं के बाद 5000 लड़कियों को यह स्कॉलरशिप दी जाती है। इस स्कॉलरशिप में 2000 डिग्री है, जबकि 2000 लड़कियां डिप्लोमा के क्षेत्र की होती है, वहीं 1000 स्कॉलरशिप दिव्यांग छात्रों के लिए रिजर्व होती है। इस में सिलेक्ट होने वाली छात्राओं को सालाना 50,000 रुपये की स्कॉलरशिप के साथ अन्य लाभ मिलते हैं।

सेंट्रल सेक्टर स्कीम ऑफ स्कॉलरशिप

यूनिवर्सिटी और कॉलेजों में प्रवेश लेने वाले मेधावी छात्रों को हर साल यह स्कॉलरशिप दी जाती है। यह स्कॉलरशिप हर साल सेलेक्ट किए गए 82000 छात्रों को दिया जाता है। जिसमें 41,000 लड़के और 41,000 लड़कियां होती हैं। इस स्कॉलरशिप से 80 परसेंटाइल से पास होने वाले लड़के लड़कियों को फायदा मिलता है। ये स्कॉलरशिप का उद्देश्य पढ़ाई के दौरान होशियार छात्रों की दैनिक जरूरतों को पूरा करने के लिए मदद करना है। स्कॉलरशिप के तहत ग्रेजुएशन के दौरान शुरुआती 3 सालों में हर साल 10,000 रुपऐ और पोस्ट ग्रेजुएशन के दौरान 20 हजार रुपऐ हर साल दिए जाते हैं।

शिंडलर इग्निशन माइंड्स स्कॉलरशिप

ग्रामीण क्षेत्र व पिछड़े वर्गों से आने वाले छात्रों के लिए शिंडलर इग्निडिंग माइंड्स स्कॉलरशिप काफी अच्छी है। यह स्कॉलरशिप विशेष रूप से कक्षा 12वीं पास छात्रों के लिए है, जो सिविल, इलेक्ट्रॉनिक्स, दूरसंचार, मैकेनिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे डिप्लोमा इंजीनियरिंग कोर्स को आगे बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। शिंडलर स्कॉलरशिप का प्राथमिक उद्देश्य मेधावी छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। हर साल, लगभग 75 छात्रों को इस स्कॉलरशिप से सम्मानित किया जाता है। शिंडलर इग्निशन माइंड्स स्कॉलरशिप में वह छात्र अप्लाई कर सकते हैं, जिन्होंने न्यूनतम 65 प्रतिशत एग्रीगेट के साथ साइंस स्ट्रीम में 12 वीं कक्षा उत्तीर्ण की है। छात्र की फैमिली इनकम 2 लाख से अधिक नहीं होनी चाहिए।

आईटीआई के बाद मिलते हैं कई करियर ऑप्शन

अगर आप आईटीआई कोर्स कर रहे हैं या करने जा रहे हैं, तो आपके मन में भी एक सवाल निश्चित रूप से घूम रहा होगा कि आईटीआई करने के बाद हमें किस तरह की जॉब मिलेगी या फिर किस तरह का कोर्स कर सकते हैं। इस आर्टिकल के माध्यम से हम आपको करियर के बारे में पूरी जानकारी देंगे।

जानें आईटीआई डिप्लोमा

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान पॉलिटेक्निक की तरह ही एक संस्थान है जहां पर आप किसी विषय से संबंधित डिप्लोमा प्राप्त कर सकते हैं। आईटीआई में 6 महीने से लेकर 2 साल तक के ही डिप्लोमा होते हैं। इसके लिए शैक्षणिक योग्यता कम से कम 10वीं कक्षा तक होनी चाहिए। इस कोर्स की सर्व-प्रियता का मुख्य कारण इंजीनियरिंग या गैर-इंजीनियरिंग ट्रेडों में इसके द्वारा डिजाइन स्किल डेवेलपमेंट से जुड़े सिलेबस तथा कोर्सेज पर विशेष रूप से ध्यान देना है। अगर आप आईटीआई करने के बाद में आगे पढ़ाई करना चाहते हैं तो आप आईटीआई के बाद पॉलिटेक्निक कर सकते हैं।

आईटीआई के बाद करियर विकल्प

आईटीआई के बाद डिप्लोमा धारक चाहे तो हायर स्टडीज करके बेहतर करियर बना सकते है ये फिर किसी सरकारी या प्राइवेट सेक्टर में जॉब कर सकते हैं।

डिप्लोमा कोर्स

आईटीआई के बाद डिप्लोमा कोर्स उन छात्रों के लिए जिन्होंने टेक्निकल बिजनेस या इंजीनियरिंग डोमेन में आईटीआई प्रशिक्षण लिया है, उनके लिए कई इंजीनियरिंग डिप्लोमा कोर्स उपलब्ध हैं। आईटीआई कोर्स से उलट डिप्लोमा इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम डोमेन में विषय के सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों ही पहलुओं के विवरण पर जोर दिया जाता है।

ऑल इंडिया ट्रेड टेस्ट

आईटीआई पास छात्रों के लिए ऑल इंडिया ट्रेड टेस्ट एक बेहतर विकल्प है। इसका आयोजन एनसीवीटी द्वारा किया जाता है। यह परीक्षा एक तरह का स्किल टेस्ट है जो आईटीआई छात्रों को सर्टिफाइड करता है। एआईटीटी पास करने के बाद, छात्रों को एनसीवीटी द्वारा संबंधित व्यापार में राष्ट्रीय व्यापार प्रमाणपत्र (एनटीसी) से सम्मानित किया जाता है और इसका सर्टिफिकेट बहुत सारे इंजीनियरिंग ट्रेड्स में एनटीसी डिप्लोमा, डिग्री के बराबर है।

आईटीआई के बाद एंटरप्रेन्योरशिप

आईटीआई के बाद छात्र एंटरप्रेन्योरशिप कर सकते हैं। यह एक दोहरी प्रशिक्षण प्रणाली है, जिसमें छात्रों को औद्योगिक पर्यवेक्षण के अंतर्गत ऑन-द-जॉब प्रशिक्षण (ओजेटी) और कक्षा संबंधित निर्देश दोनों का नॉलेज दिया जाता है। एंटरप्रेन्योरशिप 1 या 15 साल की कुशलता और योग्यता की ट्रेनिंग होती है। इससे आपको उसी आर्गेनाइजेशन में स्थाई नौकरी भी मिल सकती है।

स्पेशलाइज्ड शॉर्ट टर्म कोर्सेज

आईटीआई छात्रों के लिए कुछ संस्थान एटीआई जैसे विशेष शॉर्ट टर्म कोर्सेज प्रदान करती है। ये कोर्स छात्रों को अपने स्किल को और अधिक बढ़ाने में मदद करते हैं, इससे संबंधित डोमेन में अपने नौकरी प्रोफाइल या उद्योग की आवश्यकताओं की पूर्ति आसानी से की जा सकती है और उसके बाद जॉब मिलने में आसानी हो जाती है।

सार्वजनिक क्षेत्रों में नौकरी

आईटीआई छात्रों के लिए सार्वजनिक क्षेत्र या सरकारी एजेंसी में करियर बनाने का शानदार विकल्प होता है। जिन छात्रों ने आईटीआई की प्रशिक्षण किया है वे रेलवे, टेलीकॉम/ बीएसएनएल, राज्य-वार पीडब्ल्यूडी जैसी विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों में रोजगार तलाश सकते हैं, जबकि सरकारी क्षेत्र में वे भारतीय सशस्त्र बलों यानी भारतीय सेना जैसे भारतीय नौसेना, वायु सेना, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और अन्य अर्धसैनिक बल इत्यादि में नौकरी की तलाश कर सकते हैं।

निजी क्षेत्र में नौकरियां

आईटीआई छात्रों को निजी क्षेत्र भी रोजगार के ढेर सारे अवसर मिलते हैं। निजी क्षेत्रों के तहत मुख्य क्षेत्र जहां आईटीआई के छात्र को ज्यादा हायर किया जाता है, उनमें कंस्ट्रक्शन, एग्रीकल्चर, टेक्सटाइल्स, एनर्जी और कुछ निर्दिष्ट जॉब प्रोफाइल जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स, वेल्डिंग रेफ्रिजरेशन और एयर-कंडीशनर मैकेनिक शामिल हैं।

स्वरोजगार

इन छात्रों के लिए स्वरोजगार शायद सबसे बेहतर विकल्प है। क्योंकि आईटीआई में व्यावहारिक प्रशिक्षण छात्रों को अपना व्यवसाय शुरू करने या स्वरोजगार प्राप्त करने की गुणों को भी प्रशिक्षित करती है। स्वरोजगार अन्य नियोक्ताओं के लिए काम करने के बजाय हमारे स्वयं के लिए काम करने की अवस्था है।

विदेश में नौकरियां

आईटीआई करने वाले छात्र विदेश में भी अपना शानदार करियर बना सकते हैं। विदेशों में ब्लू-कॉलर पेशेवरों की कमी है, जो लोग कई विकसित और विकासशील देशों में चीजों को ठीक कर सकते हैं या संबंधित सेवाएं प्रदान कर सकते हैं। कुछ विशेष ट्रेड्स फ्रिटर्स आदि के लिए अंतरराष्ट्रीय तेल और गैस कारखानों तथा शिपयार्ड इत्यादि में नौकरी के भरपूर अवसर उपलब्ध हैं।

कोर्स ऐसे जो रोज़गार दिलाएं

रेगुलर कॉलेजों में पढ़ाई के साथ-साथ रोज़गारपरक स्किल सिखाने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के एडल्ट एजुकेशन डिपार्टमेंट ने अपने यहां तरह-तरह के शॉर्ट टर्म कोर्स शुरू किए हैं। इनमें कोई समाज कार्य से जुड़ा है तो कोई स्वास्थ्य और खेल के क्रियाकलापों से। कोई शैक्षिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण कड़ी साबित होने की ट्रेनिंग देता है तो कोई समाज में भूले-भटके और दिशाहीन लोगों को राह दिखाने की। तीन माह की अवधि वाले ये सर्टिफिकेट कोर्स थ्योरी और प्रैक्टिकल, दोनों से लैस हैं। इनमें दाखिले की प्रक्रिया जारी है।

वोलंटियर मैनेजमेंट

यह कोर्स सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़ कर भाग लेने वाले वोलंटियर्स को तैयार करता है। आज देश से लेकर विदेश तक तरह-तरह की संस्थाएं चल रही हैं। उन्हें अपने कार्यों को सही तरीके से अंजाम देने के लिए फील्ड में काफी संख्या में वोलंटियर्स की जरूरत पड़ती है। इसके लिए उन्हें ऐसे युवाओं की आवश्यकता होती है, जो इस कार्य में दक्ष हों। वोलंटियर मैनेजमेंट ऐसे ही छात्रों को तैयार करता है। वोलंटियर क्या है। उसका रोल क्या है। अपने कार्यों को किस ढंग से अंजाम तक पहुंचाना है, ये चीज़ें इस कोर्स में बताई जाती हैं।

स्पोर्ट्स एंड मेडिसिन

यह कोर्स स्पोर्ट्स मेडिसिन के बारे में छात्रों को जागरूक करता है। खेलकूद के दौरान फिज़ियोथेरेपिस्ट के साथ कैसे मददगार बनें, इसकी ट्रेनिंग इस कोर्स के तहत दी जाती है। विभाग के शिक्षक डॉ. राजेश ने बताया कि पैरामेडिकल वर्कर के रूप में काम करने के लिए यह कोर्स युवाओं को तैयार करता है। इसमें छात्र डॉक्टर नहीं, बल्कि उसके हेल्पर के रूप में काम करते हैं। चाहे वह कॉमनवेल्थ गेम हो या कोई और नेशनल गेम, ऐसे वर्करों की सदा ज़रूरत पड़ती है।

काउंसलिंग एंड गाइडेंस

यह कोर्स छात्रों को करियर की राह में मार्गदर्शक बनने की ट्रेनिंग देता है। शिक्षा का क्षेत्र हो या खेलकूद, मनोविज्ञान का मामला हो या वोकेशनल ट्रेनिंग का, आज हर जगह काउंसलिंग की ज़रूरत पड़ रही है। इसमें छात्रों को एक दक्ष परामर्शदाता बनने का हुनर सिखाया जाता है। यूजीसी ने 11वें प्लान में विभिन्न शिक्षण संस्थानों में करियर एंड काउंसलिंग सेंटर खोलने की योजना तैयार की है। इस तरह के सेंटर पर काउंसिलिंग के लिए ऐसे युवाओं की ज़रूरत रहेगी।

स्पोर्ट्स एंड साइंस जर्नलिज़्म

यह कोर्स पत्रकारिता के अंतर्गत स्पेशलाइज्ड यानी किसी विशेष क्षेत्र में जाने की आधारभूत ट्रेनिंग देता है। छात्रों को इस क्षेत्र में कैसे काम करना है, कैसे अपनी पहचान बनानी है और इसके लिए क्या-क्या तरकीबें अपनानी हैं, इसकी जानकारी प्रदान करता है।

दाखिले की प्रक्रिया

कोर्स में आवेदन 12वीं पास कोई भी छात्र कर सकता है। आवेदन के बाद छात्रों का साक्षात्कार लिया जाता है। इसके बाद मेरिट लिस्ट तैयार होती है। मेरिट लिस्ट में 80 प्रतिशत एकेडमिक प्रदर्शन और 20 प्रतिशत साक्षात्कार का होता है। इसके बाद तय सीटों के मुताबिक लिस्ट तैयार की जाती है।

नीदरलैंड का शब्दिक अर्थ होता है निचला देश मगर यह नाम समुद्री सतह से उसकी कम ऊंचाई के कारण पड़ा है। उच्च शिक्षा के मामले में यह बहुत ऊंचा स्थान रखता है। यहां की डिग्रियां विश्व भर में मान्य हैं। साथ ही, पढ़ाई करते हुए पार्टटाइम जॉब करने की छूट भी आसानी से मिल जाती है। नीदरलैंड की शिक्षण प्रणाली की विशेषता विद्यार्थियों के प्रति उसका समर्पण है। यहां विद्यार्थियों को विभिन्न समूहों में विभाजित करके प्रयोगात्मक कार्य एवं विभिन्ना प्रकार की प्रतिस्पर्धाएं आदि कराई जाती हैं। ऐसे कार्यक्रम प्रतिस्पर्धात्मक भावना को बढ़ाते हैं। विद्यार्थियों में विकसित हुई यह आदत उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। इस टीमवर्क के कारण ही विदेशी विद्यार्थी यहां के स्थानीय माहौल से सामंजस्य स्थापित कर लेते हैं।

उच्च शिक्षा के मामले में ऊंचा स्थान रखता है नीदरलैंड

किफायती शिक्षा

नीदरलैंड की शिक्षा को किफायती माना जाता है। विदेशी विद्यार्थियों को दी जाने वाली विशेष रियायतें इसे और भी सस्ता बना देती हैं। यहां शिक्षा पर होने वाला खर्च इस बात पर निर्भर करता है कि आप किस विषय की पढ़ाई कर रहे हैं और उसकी समयावधि कितनी है। आम तौर पर ज्यादा अवधि वाले कोर्स की फीस अधिक होती है।

प्राचीन विश्वविद्यालय

ीदरलैंड का सबसे प्राचीन विश्वविद्यालय लीडेन है। इसकी स्थापना सन् 1575 में की गई थी। यूनिवर्सिटी ऑफ एम्सटर्डम और यूनिवर्सिटी ऑफ उत्रेक्स्ट यहां के सबसे बड़े विश्वविद्यालय हैं। इन दोनों विश्वविद्यालयों में बीस हजार से अधिक विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं।

वर्क परमिट

गैर-योरपीय देशों के विद्यार्थियों को नीदरलैंड में पार्टटाइम जॉब करने की छूट कुछ नियमों के तहत मिल जाती है। इसके लिए विद्यार्थियों के पास उस संस्थान की अनुमति होनी चाहिए, जहां वे अध्ययन कर रहे हैं। वर्क परमिट सप्ताह में निर्धारित घंटो के आधार पर दिया जाता है।

वीसा एवं स्कॉलरशिप

नीदरलैंड में वीसा के नियम अन्य योरपीय देशों की तरह ही हैं। निर्धारित औपचारिकताओं की पूर्ति करके आसानी से स्टूडेंट वीसा हासिल किया जा सकता है। भारत के साथ नीदरलैंड के अच्छे संबंधों के कारण भारतीय विद्यार्थियों को यहां वीसा के लिए अधिक परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता है। विदेशी विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रकार की स्कॉलरशिप योजनाएं नीदरलैंड में चल रही हैं। इनका लाभ किसी भी देश के विद्यार्थी उठा सकते हैं।

बढ़ रहे हैं विदेशी विद्यार्थी

एक अनुमान के अनुसार पिछले पांच-दस सालों में जितने विद्यार्थियों ने यहां उच्च शिक्षा के लिए नामांकन कराया है, उनमें करीब 10 से 12 प्रतिशत विदेशी विद्यार्थी हैं। विदेशी विद्यार्थियों में अधिकतर स्नातक विषयों के लिए नामांकन कराते हैं। यहां शिक्षा को लेकर जो नई योजनाएं शुरू की गई हैं, उनसे विदेशी विद्यार्थियों की संख्या बढ़ना तय है। नीदरलैंड के निवासी अपनी भाषा में ही बातचीत करते हैं लेकिन इससे आपको यहां किसी भी तरह की परेशानी नहीं होगी, क्योंकि लगभग 95 प्रतिशत डच नागरिक अंग्रेजी भाषा पर भी अच्छी पकड़ रखते हैं। विदेशी विद्यार्थियों को अध्ययन के दौरान किसी तरह की असुविधा न हो, इसलिए यहां के विश्वविद्यालयों में अंग्रेजी में शिक्षा की व्यवस्था है।

अंतर्राष्ट्रीय मान्यता

नीदरलैंड के विश्वविद्यालयों द्वारा स्नातक, परास्नातक एवं शोध कार्यों के लिए प्रदान की जाने वाली डिग्री को विश्व स्तर पर मान्यता मिली हुई है। यहां अध्ययन करके जाए विद्यार्थी यदि आगे पढ़ाई करना चाहते हैं, तो वे किसी भी देश के शिक्षण संस्थान में आसानी से प्रवेश ले सकते हैं। कई योरपीय देशों में शोध कार्य के लिए नीदरलैंड में दी गई डिग्री को वरीयता भी प्रदान की जाती है। नीदरलैंड को योरप का दरवाजा भी कहा जाता है। इसका कारण यह है कि योरप के सभी देशों की राजधानियों में यहां से जाना सुगम है। डच राजधानी एम्सटर्डम से पेरिस, बर्लिन, ब्रुसेल्स और लंदन तो कुछ ही घंटे की उड़ान से पहुंचा जा सकता है।

सार समाचार

चीन ने शिनजियांग के मुद्दे पर अमेरिकी अधिकारियों पर लगाए प्रतिबंध, दो देशों में बढ़ा तनाव

बीजिंग। चीन ने मंगलवार को अमेरिकी सरकार के अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग के चार सदस्यों पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की। बीजिंग ने देश के उत्तर-पश्चिमी शिनजियांग क्षेत्र में मानवाधिकार उल्लंघन के मुद्दे पर चीनी अधिकारियों पर अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के जवाब में यह कदम उठाया है। ये कदम शिनजियांग मुद्दे पर दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव को दर्शाते हैं। वाशिंगटन ने संबंधित क्षेत्र से आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है, क्योंकि उसका मानना है कि आयात की जाने वाली चीजें-हो सकता है कि लोगों से जबरन मजदूरी कराकर तैयार की गई हों। वहीं, मानवाधिकार कार्यकर्ता बीजिंग में फरवरी में होने जा रहे शीतकालीन ओलंपिक के बहिष्कार का आह्वान कर रहे हैं। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियन ने कहा कि अमेरिकी आयोग के अध्यक्ष और तीन सदस्यों के मुख्य भूमि चीन, हांगकांग तथा मकाऊ का दौरा करने पर रोक लगा दी गई है तथा देश में उनकी कोई भी संपत्ति जब्त कर ली जाएगी। झाओ ने इन चारों लोगों की पहचान-अध्यक्ष नादिन मेंज़ा, उपाध्यक्ष नुरी तुर्केल और सदस्य अनुरिमा भार्गव तथा जेम्स कैर के रूप में की। झाओ ने इस बारे में कोई संकेत नहीं दिया कि इन लोगों की चीन में कोई संपत्ति है या नहीं। शिनजियांग में उइगर और अन्य-ज्यादातर मुस्लिम अल्पसंख्यकों के दमन में शामिल होने के आरोप में अमेरिका के वित्त विभाग ने 10 दिसंबर को चीन के दो अधिकारियों पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसके बाद चीन ने जवाबी कार्रवाई करने की धमकी दी थी।

ओमीक्रोन वेरिएंट से शख्स की हुई मौत, अमेरिका में आया पहला मौत का मामला

वाशिंगटन। अमेरिका के टेक्सास राज्य में कोरोना वायरस के नए ओमीक्रोन स्वरूप से एक मरीज की मौत हो गयी, जो देश में संक्रमण के इस स्वरूप से मौत का पहला मामला है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हैरिस काउंटी पब्लिक हेल्थ द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, अमेरिका के टेक्सास राज्य में 50 वर्ष के आसपास के एक व्यक्ति की मौत हुई है। उसने टीके की खुराक नहीं ली थी और वह पहले भी कोविड-19 से संक्रमित हो चुका था। सीएनएन की खबर के मुताबिक, यह मामला अमेरिका में ओमीक्रोन से संबंधित मौत का पहला मामला है। विज्ञप्ति में कहा गया है, ''टीके की खुराक न लेने और खराब स्वास्थ्य के कारण इस व्यक्ति के कोविड-19 से गंभीर रूप से बीमार पड़ने का अत्यधिक खतरा था।'' काउंटी की न्यायाधीश लीना हिडाल्गो ने सोमवार को मौत की जानकारी दी।

उत्तरी कैलिफोर्निया में 6.2 तीव्रता का भूकंप; कोई सुनामी या बड़ी क्षति नहीं

पेट्रोलियो (अमेरिका)। अमेरिका के नदर्न कैलिफोर्निया तट पर सोमवार को 6.2 तीव्रता का भूकंप आने से, क्षेत्र में तेज झटके महसूस किए गए। हालांकि, किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। राष्ट्रीय मौसम सेवा विभाग ने बताया कि भूकंप के बाद सुनामी आने की आशंका नहीं है। भूकंप दोपहर 12 बजे के ठीक बाद आया और इसका केंद्र छोटे से कस्बे पेट्रोलिया के निकट सैन फ्रांसिस्को के पश्चिमोत्तर में करीब 337 किलोमीटर दूर एक तट के पास था। पेट्रोलिया में 1,000 से कम लोग रहते है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने बताया कि इस भूकंप के कारण एक करोड़ डॉलर से कम का नुकसान हुआ है और कोई हताहत नहीं हुआ है। पेट्रोलिया जनरल स्टोर प्रबंधक जेन डेक्टर ने 'सैन फ्रांसिस्को क्रॉनिकल' को बताया कि झटके करीब 20 सेकंड तक महसूस किए गए।

स्वर्ण मंदिर मामले पर ब्रिटेन की सिख सांसद ने दिया विवादित बयान, जमकर हो रही आलोचना

लंदन। ब्रिटेन की पहली सिख महिला सांसद प्रीत कौर गिल को अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर में एक व्यक्ति को पीट-पीटकर मार डालने के संबंध में किए गए ट्वीट को लेकर सोशल मीडिया पर आलोचना का सामना करना पड़ा, जिसके बाद सांसद ने अपने ट्वीट को हटा दिया। गिल ने ट्वीट में स्वर्ण मंदिर में व्यक्ति की हत्या के पीछे एक हिंदू आतंकवादी का हाथ होने की ओर इशारा किया था। ब्रिटिश आव्रजन अधिवक्ता हरजाप भंगल द्वारा स्वर्ण मंदिर में शनिवार को हुई कथित बेअदबी की घटना संबंधी वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए लेबर पार्टी की सांसद गिल ने उनके इस संदेश पर सहमति जतायी कि यह स्पष्ट रूप से एक आतंकी घटना थी। गिल ने जिस ट्वीट को आलोचना के बाद हटाया उसमें कहा गया था, हिंदू आतंकवादी को स्वर्ण मंदिर में सिखों के खिलाफ हिंसा के कृत्य से रोक दिया गया। लंदन में भारतीय उच्चायोग ने भी इस ट्वीट की निंदा की।

ओमिक्रोन से डरे डोनाल्ड ट्रंप, कोविड-19 की बूस्टर खुराक लेने का किया दावा

न्यूयॉर्क। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खुलासा किया कि उन्होंने कोविड-रोधी टीके की बूस्टर खुराक ली है। ट्रंप के इस दावे के बीच डलास में भीड़ ने उनका उपहास किया। ट्रंप ने रविवार रात को फॉक्स न्यूज के पूर्व प्रस्तोता बिल ओ रिली के साथ सीधे प्रसारित एक साक्षात्कार के दौरान बूस्टर खुराक लेने के संबंध में खुलासा किया। बिल द्वारा सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो के मुताबिक, बिल ओ रिली ने अमेरिकन एयरलाइन सेंटर में कहा, मैं और राष्ट्रपति दोनों ही अपना टीकाकरण करवा चुके हैं। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति से सवाल किया, क्या आपने बूस्टर खुराक ली? इस पर ट्रंप ने कहा, हां। मैंने ये (बूस्टर खुराक) भी ले ली है।

काबुल में सैकड़ों लोगों ने प्रदर्शन कर संपत्ति को जारी करने की मांग की

काबुल । अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में सैकड़ों लोगों ने बंद पड़े अमेरिकी दूतावास की ओर कूच कर देश की प्रतिबंधित की गई संपत्ति को जारी करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों के हाथों में बैनर थे जिन पर लिखा, हमें खाने दें और रोक दिया हमारा धन हमें दें। प्रदर्शनकारी नारे लगा रहे थे, तालिबान ने उन्हें सुरक्षा प्रदान कर रखी थी।अगस्त में तालिबान के सत्ता पर काबिज होने के बाद अफगानिस्तान के लिए अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सहायता निलंबित कर दी गई थी और विदेश खासकर अमेरिका ने अरबों डॉलर की संपत्ति पर रोक लगा दी थी।

बड़ा खुलासा: ईरान के टॉप जनरल सुलेमानी की हत्या में था इजरायल का भी हाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल के पूर्व सैन्य खुफिया प्रमुख ने बताया है कि इजरायल उस अमेरिकी हवाई हमले में शामिल था जिसने जनवरी 2020 में ईरानी जनरल कासिम सुलेमानी की हत्या की गई थी। इजरायली मेजर जनरल तामीर हेमैन जो कि अब रिटायर्ड हैं, ने सुलेमानी की हत्या में इजरायल के रोल को माना है।

बता दें कि जनवरी 2020 में बगदाद में एक अमेरिकी ड्रोन हमले में जनरल कासिम सुलेमानी की मौत हो गई थी। सुलेमानी ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स को लीड कर रहे थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक इजरायली खुफिया एजेंसी ने दमिश्क से बगदाद के लिए सुलेमानी की फ्लाइट की पुष्टि करने में मदद की थी। इजरायल के पास सुलेमानी के नंबर तक पहुंच थी।

इजरायल के लिए उपलब्धि है सुलेमानी की हत्या?

हेमैन ने एक हिब्रू पत्रिका को बताया था कि सुलेमानी की हत्या एक उपलब्धि थी क्योंकि मेरी नजर में ईरानी हमारे मुख्य दुश्मन हैं। उन्होंने कहा कि सेना के खुफिया प्रमुख के रूप में मेरे कार्यकाल के दौरान दो महत्वपूर्ण हत्याएं हुईं। हेमैन ने कहा कि इजरायल के हमले सीरिया में जड़ें जमाने के ईरान के प्रयास को रोकने में सफल रहे हैं।

बता दें कि इजरायल ने पिछले एक दशक में सीरिया में सैकड़ों हवाई हमले किए हैं लेकिन इजरायल अब तक इस पर कमेंट करने से बचता रहा है। इजरायल ने यह माना है कि उसने ईरानी समर्थित फोर्स और हिज्बुल्लाह को निशाना बनाया है।

इजरायल और ईरान दोनों एक दूसरे को दुश्मन मानते हैं। ईरान, इजरायल को दुनिया के नक्शे से मिटाने की बात कहता है तो इजरायल कहता है कि वह ईरान को परमाणु हथियार प्राप्त करने से रोकने के लिए हर जरूरी कदम उठाएगा। हालांकि ईरान का कहना है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए है।

सीआईआई ने कहा श्रीलंकाई नागरिक की हत्या करने वालों के खिलाफ कठोर एक्शन हो

इस्लामाबाद । पाकिस्तानी शीर्ष धार्मिक निकाय ने कहा कि कानून को हाथ में लेना कुरान, शरीयत की शिक्षाओं और संविधान के खिलाफ है। निकाय ने श्रीलंकाई नागरिक की पीट-पीटकर हत्या करने वाले दोषियों को कानून के हवाले करने की मांग करते हुए यह बात कही। इस महीने की शुरुआत में बेहद चौंकाने वाली घटना में, कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी तहरीक-ए-लबैक पाकिस्तान (टीएलपी) के समर्थकों ने ईशनिंदा के आरोप पर कारखाने में काम करने वाले महाप्रबंधक प्रियंता कुमार दियावदाना की पीट-पीटकर हत्या कर उसकी लाश को आग लगा दी थी। मामले में 900 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। कुल 150 संदिग्धों को हिरासत में लेकर पंजाब पुलिस ने अब तक 54 मुख्य संदिग्धों की फॉरेंसिक जांच कराई है। 'काउंसिल ऑफ इस्लामिक आइडियोलॉजी (सीआईआई) ने कहा कि देश के सामने एक गंभीर मुद्दा कानूनों को लागू करना है।वहीं सियालकोट जैसी घटना को फिर से होने से रोकने के लिए न्यायिक प्रणाली में सुधार की जरूरत है। इसमें कहा गया है कि अगर कोई व्यक्ति कानून अपने हाथ में लेता है,तब देश को उसके खिलाफ तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए।

चीन के बदले सुर, बढ़ते संघर्ष के बीच विदेश मंत्री ने भारत संग राजनयिक और सैन्य चैनलों से बातचीत का किया जिक्र

बीजिंग। (एजेंसी)। चीन और भारत ने सीमा पर तनाव को कम करने के लिए राजनयिक और सैन्य चैनलों के माध्यम से संचार बनाए रखा है। विदेश मंत्री वांग यी ने कहा है कि भारत और चीन ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गतिरोध का प्रभावी तरीके से प्रबंधन और इसे नियंत्रित किया है। चीन और भारत ने राजनयिक और सैन्य चैनलों के माध्यम से बातचीत को बनाए रखा है, और द्विपक्षीय संबंधों को सुधारने और विकसित करने के लिए साझा प्रतिबद्धता के तहत कुछ सीमावर्ती क्षेत्रों में प्रभावी ढंग से प्रबंधित और नियंत्रित किया है। पूर्वी लद्दाख में दोनों देशों के बीच जारी सीमा विवाद के बीच वांग का यह बयान आया है।

साझा प्रतिबद्धता के तहत जारी रखी वार्ता

वांग ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर संघर्ष की स्थिति से निपटने के प्रयासों के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर करने के लिए साझा प्रतिबद्धता के तहत चीन और भारत ने राजनयिक व सैन्य चैनलों के माध्यम से वार्ता जारी रखी है और

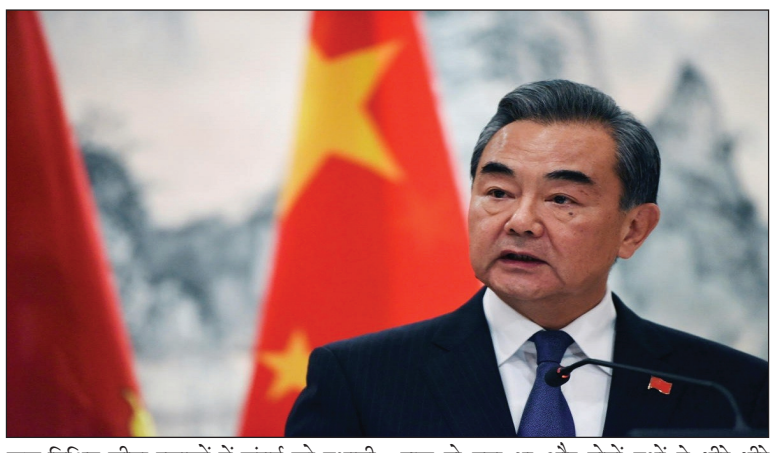

कुछ निश्चित सीमा इलाकों में संघर्ष को प्रभावी रूप से समझा है और नियंत्रित किया है।'

पैंगोंग झील के पास हिंसक झड़प के बाद तनाव

गौरतलब है कि पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध की वजह से दोनों देशों के संबंधों में तनाव आ गया था। पैंगोंग झील इलाके में हिंसक झड़प के बाद पिछले साल पांच मई को भारत और चीन की सेनाओं के बीच सीमा गतिरोध शुरू हो गया था और दोनों पक्षों ने धीरे-धीरे हजारों सैनिकों व भारी हथियारों के साथ अपनी तैनाती बढ़ा दी थी। सैन्य और कूटनीतिक वार्ता की एक श्रृंखला के परिणामस्वरूप, दोनों पक्षों ने अगस्त में गोगरा क्षेत्र में और फरवरी में पैंगोंग झील के उत्तर और दक्षिण तट पर सैनिकों के पीछे हटने की प्रक्रिया को पूरा किया। दोनों पक्षों के बीच 31 जुलाई को 12वें दौर की बातचीत हुई थी। इसके कुछ दिनों बाद गोगरा से सेनाओं की वापसी की प्रक्रिया पूरी हुई थी।

इमरान के दावों की खुली पोल, पाकिस्तान में फिर हिंदू मंदिर पर हमला, आरोपी को बचाने में जुटी थी पुलिस

इस्लामाबाद। (एजेंसी)। पाकिस्तान में एक बार फिर से हिन्दुओं की आस्था पर हमला हुआ है। कराची में एक कट्टरपंथी ने मंदिर में घुसकर तोड़फोड़ की जिसके बाद देश में भी पाकिस्तान के खिलाफ गुस्से का माहौल देखने को मिल रहा है। पाकिस्तान की आर्थिक राजधानी कहे जाने वाले कराची की आई तस्वीरें इमरान खान के दावों की पोल खोलती नजर आई। नारायणपुरा इलाके में शाम छह बजे एक शख्स हथौड़ा लेकर मंदिर में घुसा और देवी देवताओं की मूर्तियों को तोड़ने लगा। योग माता की मूर्ति को खंडित कर दिया। भीड़ ने आरोपी को धर दबोचा और पुलिस के हवाले कर दिया।

घटना के बाद से स्थानीय हिन्दुओं में आक्रोश

भीड़ ने जब युवक से इस हमले की वजह जानने की कोशिश की तो उसने कहा कि ये बताने के लिए कि इबादत के लायक नहीं है। युवक का नाम वलीद शब्बीर बताया जा रहा है। जबकि उसकी उम्र 22 साल है। घटना के बाद से स्थानीय हिन्दुओं में आक्रोश की लहर पैदा हो गई। घटना के बाद इलाके में तनाव है। उपद्रव के मद्देनजर पाकिस्तानी रेंजर की भी तैनाती की गई है।

पुलिस बचाने में लगी थी

लोगों का आरोप है कि मंदिर में मूर्तियों को खंडित करने वाले शख्स को पुलिस बचाने की कोशिश कर रही थी। लेकिन हिन्दुओं के विरोध को देखते हुए पुलिस को लीद शब्बीर को गिरफ्तार करना पड़ा। इस घटना से एक बार फिर कई सवाल खड़े हो गए हैं कि क्या पाकिस्तान में जानबूझकर कट्टपंथियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। बार-बार ऐसे हमलों को बावजूद इमरान सरकार ऐसे कट्टपंथियों पर कड़ी कार्रवाई क्यों नहीं कर रही है?

समुंदर के रास्ते पाक की नापाक तस्करी नाकाम, 400 करोड़ की ड्रग्स जब्त, 6 तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। एलओसी पर नापाक कोशिश के बाद अब पाकिस्तान समुंदर के रास्ते देश में जहर घोलने की कोशिश में जुटा हुआ है। लेकिन पाकिस्तान की साजिश को भारतीय नौसेना और गुजरात की एटीएस ने नाकाम कर दिया है। गुजरात आतंकवाद विरोधी दस्ते (एटीएस) और भारतीय तट रक्षक (आईसीजी) के एक संयुक्त अभियान में कराची से छह चालक दल के सदस्यों के साथ एक पाकिस्तानी मछली पकड़ने वाली नाव 77 किलोग्राम हेरोइन ले जा रही थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में जिसकी कीमत 385 से 400 करोड़ रुपये के करीब बताई जा रही है। गुजरात के पुलिस महानिदेशक आशीष भाटिया ने कहा कि गुजरात के जखाउ तट से भारतीय जल सीमा में देर रात इसे जब्त किया गया।

77 किलोग्राम हेरोइन जब्त

गुजरात के कच्छ जिले में जखाऊ तट से करीब 35 समुद्री मील की दूरी पर समुद्र के बीच में चलाए गए अभियान में नशीली दवाओं की जब्ती की गई। एटीएस अधिकारियों और आईसीजी टीम ने भारतीय जल क्षेत्र में छह चालक दल के सदस्यों के साथ पाकिस्तानी मछली पकड़ने वाली नाव 'अल हुसैनी' को पकड़ा है। जिसके जरिये गुजरात में ड्रग्स की बड़ी खेप भेजी जा रही थी, जिसे सुरक्षा बलों ने पकड़ लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जहाज पर 77 किलोग्राम हेरोइन मिली है जिसे सुरक्षाबलों ने जब्त कर लिया है। इस साल समुद्र के बीच में सबसे बड़ी जब्ती है। आगे की जांच के लिए नाव को जखाऊ तट पर लाया गया।

730 करोड़ के ड्रग्स पहले किए गए जब्त

इससे पहले सितंबर में गुजरात एटीएस ने समुद्र के बीच में एक अभियान में लगभग 35 किलोग्राम हेरोइन जब्त की थी और 18 सितंबर को सात ईरान नागरिकों को पकड़ लिया था। 14 नवंबर को एटीएस ने मोरबी के जिंजुवाड़ा गांव में एक घर पर छापा मारा और 120 किलो ड्रग्स के साथ तीन लोगों को पकड़ लिया। बाद में जांच के दौरान लगभग 11 लोगों को पकड़ गया और 730 करोड़ रुपये की कुल 146 किलोग्राम दवाएं जब्त की गई।

तालिबान ने गलती से दूतावास के खाते में ट्रांसफर की बड़ी रकम, ताजकिस्तान ने लौटाने से किया इनकार

काबुल । कंगाली में आटा गीला होना कहावत तो आपने सुनी ही होगी। दरअसल, तालिबान ने गलती से ताजिकिस्तान स्थित अपने दूतावास के अकाउंट में पैसे ट्रांसफर कर दिए, लेकिन अब ताजिकिस्तान इस पैसे को वापस लौटाने से इनकार कर रहा है। ताजकिस्तान तालिबान का धुर आलोचक माना जाता है।

तालिबान ने करीब 8 लाख डॉलर (6 करोड़ रुपए से ज्यादा) ताजिकिस्तान में अफगानी दूतावास के अकाउंट में भेज दिए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह पैसे अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति अशरफ गनी की सरकार द्वारा ट्रांसफर किए जाने थे। इस पैसे का इस्तेमाल ताजिकिस्तान में शरणार्थी बच्चों के लिए एक स्कूल के वित्तपोषण के लिए किया जाना था। हालांकि, जब तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जा किया और गनी देश से भाग गए तो, यह सौदा विफल हो गया। कुछ हफ्तों बाद, सितंबर में पैसे ट्रांसफर किए गए, लेकिन कुछ खबरों के मुताबिक, 4 लाख डॉलर के आसपास ही पैसे दिए है। उस समय तालिबान की ओर से भी इसपर कुछ नहीं कहा गया। हालांकि, नवंबर आते-आते अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई और तब तालिबान ने ताजिकिस्तान की सरकार से संपर्क करके इसे वापस देने को कहा, तो ताजिकिस्तान के अधिकारियों ने यह मानने से साफ मना कर दिया।

पाकिस्तान ने किया बाबर क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण, जानें- कहां तक कर सकती है मार

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की सेना ने मंगलवार को स्वदेश में निर्मित बाबर क्रूज मिसाइल 1बी का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। पाक सेना की प्रचार यूनिट इंटरसर्विस पब्लिक रिलेशन ने बताया कि मिसाइल परीक्षण के मौके पर नेशनल इंजीनियरिंग ऐंड साइंटिफिक कमीशन के अध्यक्ष डॉ. राजा समर, आर्मी स्ट्रेटेजिक फोर्स कमान के कमांडर लेफ्टीनेंट मुहम्मद अली, वरिष्ठ सैन्य अधिकारी, वैज्ञानिक और रणनीतिक संगठनों के इंजीनियर मौजूद थे। राष्ट्रपति आरिफ अल्वी और प्रधानमंत्री इमरान खान ने इस परीक्षण पर वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को बधाई दी है।

इसी साल अगस्त में पाकिस्तान की सेना ने फतह-1 का भी परीक्षण किया था। यह मल्टी लॉन्च रॉकेट सिस्टम एक साथ कई हमले करने में सक्षम है। यही नहीं आर्मी ने मीडिया रेंज की बलिस्टिक मिसाइल शाहीन 1- ए का भी इसी साल मार्च में परीक्षण किया था। मिलिट्री की मीडिया विंग ने कहा कि मिसाइल का अपडेट वर्जन 900 किलोमीटर तक मार कर सकता है।

इस मिसाइल में कुछ नए बदलाव किए गए हैं, जिनका परीक्षण इस टेस्ट में किया गया है। इस मिसाइल का पाकिस्तान ने पहला परीक्षण इसी साल फरवरी में किया था। शुरुआती वर्जन के बारे में बताया गया था कि यह 700 किलोमीटर तक मार सकती है। अब अडवांस वर्जन को लेकर 900 किलोमीटर तक मार करने में सक्षम होने की बात कही जा रही है।

उत्तर कोरिया में दक्षिण कोरियाई वीडियो देखने के लिए मारे जा रहे लोग, 3 साल में 7 लोगों की हत्या की रिपोर्ट

नयी दिल्ली। (एजेंसी)। उत्तर कोरिया सरकार ने दक्षिण कोरियाई वीडियो देखने या वितरित करने के लिए पिछले तीन सालों में सात लोगों को मौत की सजा दी है। यह रिपोर्ट एक मानवाधिकार संगठन ने दी है। रिपोर्ट के मुताबिक उत्तर कोरिया के सुप्रीम लीडर किम जोंग उन की अध्यक्षता में ये सजा सुनाई गई है। सियोल स्थित मानवाधिकार संगठन ट्रांजिशनल जस्टिस वर्किंग ग्रुप ने पिछले छह सालों में 683 उत्तर कोरियाई के साथ इंटरव्यू किए और कुल मिलाकर 27 मौतों का दस्तावेजीकरण किया है। इसमें से अधिकांश फायरिंग दस्ते द्वारा किए गए थे। अधिकतर पर ड्रग्स, वेश्यावृत्ति और मानव तस्करी से संबंधित अपराधों का आरोप लगाया गया था। मई 2021 में दक्षिण कोरियाई मीडिया ने भी रिपोर्ट किया था कि उत्तर कोरियाई अधिकारियों ने सावर्जनिक तौर से दक्षिण कोरियाई फिल्मों और म्यूजिक वीडियो वाली सीडी और यूएसबी बेचने के लिए एक शख्स को मार डाला था। रिपोर्ट में बताया गया था कि दक्षिण कोरियाई मीडिया को देखने या वितरित करने के आरोप में लोगों के सात मामलों में से छह 2012 और 2014 के बीच रेयानगांग प्रांत के हायसन में हुए। एक आरोपी को 2015 में उत्तरी हैमग्योंग प्रांत के चोंगजिन शहर में मार दिया गया था।

मानवाधिकार रिपोर्ट की स्टडी में बताया गया है कि किम जोंग उन शासन अंतरराष्ट्रीय जांच में बढ़ोतरी के कारण मानवाधिकारों के मसलों पर अधिक ध्यान दे रहा है। हालांकि इसका मतलब यह नहीं है कि हालात में सुधार हो रहा है। उत्तर कोरिया में अब इस तरह की हत्याएं इस

तरह से हो रही हैं जो पहले की तरह सार्वजनिक रूप से दिखाई नहीं दे सकती हैं। हालांकि उत्तर कोरिया ने इस बात से इनकार किया है कि देश में जेल कैंप मौजूद है। किम जोंग उन शासन ने पश्चिमी देशों पर मानवाधिकारों की आलोचना का इस्तेमाल करके इसके प्रति शत्रुतापूर्ण नीति अपनाने का आरोप लगाया है।

काबुल में बंद पड़े अमेरिकी दूतावास पर क्या करने पहुंची सैकड़ों लोगों की भीड़

नयी दिल्ली। (एजेंसी)। अफगानिस्तान की राजधानी में मंगलवार को सैकड़ों लोगों ने बंद पड़े अमेरिकी दूतावास की ओर कूच किया तथा देश की प्रतिबंधित की गई संपत्ति को जारी किए जाने की मांग की। प्रदर्शनकारियों के हाथों में बैनर थे जिन पर पर लिखा, 'हमें खाने दें' और 'रोक दिया गया हमारा धन हमें दें'। प्रदर्शनकारी नारे लगा रहे थे और सत्तारूढ़ तालिबान ने उन्हें सुरक्षा प्रदान कर रखी थी। मध्य अगस्त में तालिबान के सत्ता पर काबिज होने के बाद अफगानिस्तान के लिए अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सहायता निलंबित कर दी गई थी और विदेश खासकर अमेरिका में देश की अरबों डॉलर की संपत्ति पर रोक लगा दी गई थी।

अफगानिस्तान में मानवीय त्रासदी उत्पन्न होने का खतरा

पहले से मुश्किल स्थिति का सामना कर रही अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था अनुदान रुक जाने से बुरी तरह तबाह हो गई है और सहायता संगठनों ने देश में भारी मानवीय त्रासदी उत्पन्न होने की चेतावनी दी है। डॉक्टरों, अध्यापकों, प्रशासनिक नौकरशाहों सहित सरकारी कर्मियों को महीनों से वेतन नहीं मिला है। इस बीच, बैंकों ने इस बात की सीमा तय कर दी है कि खाताधारक कितना पैसा निकाल सकते हैं।

तालिबान शासन को अब तक मान्यता नहीं

किसी भी देश ने अफगानिस्तान के नए तालिबान शासकों को उनके पुराने रिकॉर्ड के चलते आधिकारिक रूप से मान्यता नहीं दी है। तालिबान के पिछले शासन के दौरान महिलाओं एवं लड़कियों को शिक्षा एवं सार्वजनिक जीवन में आने से वंचित कर दिया गया था तथा पुरुषों के लिए दाढ़ी रखना एवं नमाज में शामिल अनिवार्य कर दिया गया था। इसके साथ ही खेलकूद एवं मनोरंजन पर रोक लगा दी गई थी और सार्वजनिक रूप से फांसी दी जाती थी। लेकिन वर्तमान तालिबान सरकार के अधिकारियों का कहना है कि उनका शासन अब अलग है तथा सभी लड़कियों को शिक्षा की अनुमति दी गई है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से धनराशि जारी करने एवं मानवीय त्रासदी को रोकने में मदद की अपील की है।

लोकसभा में पेश किया गया लड़कियों की शादी की उम्र बढ़ाने वाला बिल

टीएमसी ने किया विरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)।

लखीमपुर कांड पर संसद के अंदर और बाहर सियासी संग्राम थमने के आसार नहीं दिख रहे हैं। विपक्ष राज्यसभा के 12 सदस्यों के निलंबन और लखीमपुर खीरी कांड में गिरफ्तार आशीष मिश्र के पिता और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी के इस्तीफे की मांग पर अड़ा हुआ है। विपक्षी दल अपनी मांग को लेकर ने दोनों सदनों में हंगामा कर रहे हैं। इस वजह से लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही कई बार बाधित हुई। गृह राज्य मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर राहुल गांधी समेत विपक्षी सांसदों ने संसद भवन में गांधी प्रतिमा से लेकर विजय चौक तक विरोध मार्च निकाला। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री, स्मृति ईरानी ने लोकसभा में बाल विवाह निषेध (संशोधन) विधेयक, 2021 पेश किया है। इसके बाद लोकसभा की कार्यवाही को 22 दिसंबर तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। विधेयक में महिलाओं की शादी की उम्र 18 साल से बढ़ाकर 21 साल करने का प्रावधान है। लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने बाल विवाह निषेध (संशोधन) विधेयक, 2021 पर कहा कि हम सरकार को सलाह देना चाहते हैं कि जल्दबाजी में काम करने से गलतियां होती हैं। इस मामले को लेकर भारत में काफी चर्चा हो रही है। सरकार ने न तो किसी हितधारक से बात की है और न ही किसी राज्य से सलाह ली है। हम मांग करते हैं कि विधेयक को स्थाई समिति के पास भेजा जाए। टीएमसी सांसद सौगत राय ने कहा कि जिस तरह से सरकार जल्दबाजी में बिल लाई है उसका मैं विरोध करता हूं। इस विधेयक पर सभी हितधारकों के बीच पूर्ण चर्चा की आवश्यकता है। अल्पसंख्यक लोग इस बिल का पूरी तरह से विरोध कर रहे हैं। लखीमपुर खीरी मामले में गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा के इस्तीफ़े की मांग को लेकर राहुल गांधी समेत विपक्षी सांसदों ने गांधी प्रतिमा से विजय चौक तक मार्च निकाला। इस दौरान राहुल गांधी ने कहा कि हमने बार-बार कहा है कि एक मंत्री के बेटे ने किसानों को जीप के नीचे कुचला है, रिपोर्ट आई है कि ये एक साजिश है, प्रधानमंत्री उस मंत्री के बारे में कुछ नहीं करते हैं। हम इस व्यक्ति को जेल में डाल कर दिखाएंगे, छोड़ेंगे नहीं। चुनाव कानून (संशोधन) विधेयक पर भाजपा सांसद सुशील मोदी ने कहा कि राजद और तृणमूल कांग्रेस के लोग बोगस मतदाता सूची के बल पर चुनाव जीतकर आते रहे हैं। अब इन लोगों को डर है कि आधार से जोड़ दिया गया तो एक आदमी का नाम एक ही जगह रह पाएगा और हजारों बोगस लोगों का नाम हट जाएगा। टीएमसी सांसद डोला सेन ने कहा कि प्रधानमंत्री हर दिन सदन की गरिमा को कम कर रहे हैं। कृषि कानूनों को निरस्त करने, विमुद्रीकरण जैसी घोषणाएं बिना चर्चा के की गई। 10 मिनट में बिल पास हो जाते हैं।

लोकसभा में लिए गए 20 मौखिक प्रश्न, पर बीजेपी के 9 सांसद रहे गैर हाजिर

पीएम मोदी ने सभी सांसदों को संसद में रहने को कहा

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

संसद लोकतंत्र का मंदिर हैं, जहां देश के नेता देश को चलाने के लिए नीतियां बनाते हैं। संसद ही वह मंदिर है, जहां देश को चलाने के लिए जो भी कानून और नीतियां जरूरी होती है वह सरकार बनाती हैं। देश को चलाने वाली सरकार संसद के द्वारा ही जनता के प्रति उत्तरदायी होती है। यहीं पर पक्ष और विपक्ष के तमाम नेता और सांसद सरकार द्वारा किए गए कामों का हिसाब मांगते हैं, विपक्ष के नेता और सांसद सरकार से इसी मंदिर में सवाल जवाब करते हैं जिनका जवाब सरकार देती है। संसद का शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा के इतिहास में सोमवार को 20 मौखिक प्रश्नों को लिया गया। लेकिन सवाल पूछने वाले बीजेपी के 9 सांसद सदन में मौजूद नहीं थे, इन सांसदों के सवाल लिस्ट में शामिल थे। लोकसभा स्पीकर ने प्रश्न पूछने के लिए इन बीजेपी सांसदों के नाम पुकारे तब वह सदन में नहीं थे।

बता दें कि पिछले हफ्ते ही बीजेपी संसदीय दल की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सांसदों को संसद में उपस्थित रहने को कहा था। सोमवार को लोकसभा में बीजेपी मुख्य सचेतक राकेश सिंह, बेंगलुरु दक्षिण से सांसद तेजस्वी सूर्या, बिहार के पश्चिमी चंपारण से सांसद संजय जयसवाल, उत्तर प्रदेश के कौशांबी से सांसद विनोद कुमार, पश्चिम बंगाल के बालूरघाट से सांसद और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार राजस्थान के पाली से सांसद पी पी चौधरी प्रश्नकाल के दौरान सदन में उपस्थित नहीं थे।प्रश्नकाल के दौरान सदन में अनुपस्थित रहने वाले एक बीजेपी सांसद का कहना था कि, पूरक प्रश्न इसलिए नहीं पूछे क्योंकि वह दिए गए उत्तर से संतुष्ट नहीं थे।

प्रियंका गांधी वाड्रा का हमला, मेरे बच्चों के इंस्टाग्राम अकाउंट हैक कर रही योगी सरकार

लखनऊ (एजेंसी) ।

उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने योगी सरकार पर बड़ा हमला बोला है। प्रियंका ने आरोप लगाया कि सरकार उनके बच्चों के इंस्टाग्राम अकाउंट हैक कर रही है। फोन टैपिंग मामले को लेकर पूछे सवाल पर प्रियंका ने कहा, फोन टैपिंग छोड़िए,सरकार मेरे बच्चों के इंस्टाग्राम अकाउंट तक हैक करा रही है।प्रियंका ने सवाल उठाया कि सरकार के पास कोई काम नहीं है क्या? इसके साथ ही प्रियंका ने महिला सशक्तिकरण सम्मेलन को लेकर भी बीजेपी पर हमला बोला। प्रियंका ने कहा, मैंने उत्तर प्रदेश की महिलाओं से कहा था कि अपनी शक्ति को पहचानो। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी समझ गए हैं कि महिला खड़ी हो रही है। उन्होंने सवाल उठाकर कहा कि इस तरह की घोषणाएं 5 सालों से क्यों नहीं कीं? उन्होंने कहा कि आज चुनाव आया है,तब ऐसी घोषणाएं क्यों हो रही हैं?प्रियंका ने कहा कि मैं आज बहुत खुश हूं कि पीएम मोदी को देश की महिलाओं के आगे झुकना पड़ा।

पंजाब में अब हिंदू धार्मिक ग्रंथों की बेअदबी का मामला, हिंदू संगठनों में रोष

लुधियाना (एजेंसी)।

जहां पंजाब पुलिस की ओर से बेअदबी की घटनाओं को लेकर अलर्ट जारी किया हुआ है वहीं दूसरी तरफ पुलिस कमिश्नर कार्यालय के सामने ही हिंदू धार्मिक ग्रंथों के खंडित अंग मिले हैं,जिससे हिंदू संगठनों में रोष देखा जा रहा है।शिवसेना पंजाब के चेयरमैन राजीव टंडन, अमित अरोड़ा और गोरा थापर ने अंग उठाकर पुलिस के हवाले कर मामले की जांच करने की मांग की है। शिव सैनिकों का कहना है कि चन्नी सरकार को इस तरफ ध्यान देना चाहिए। एक तरफ गुरुद्वारा साहिब में श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी हो रही हैं, पुलिस को अलर्ट किया हुआ है।दूसरी तरफ हिंदू ग्रंथों की बेअदबी हो रही है। पुलिस कमिश्नर कार्यालय के सामने स्थित ढाबे और प्राचीन शिव मंदिर के पास पीपल के पेड़ के नीचे हिंदू धार्मिक ग्रंथ श्री गरुड़ पुराण, श्री मदभागवत गीता और अन्य ग्रंथ पड़े होने की सूचना जैसे ही शिव सैनिकों को मिली,तब वह मौके पर पहुंचे। यहां आकर सड़क पर फेंके गए ग्रंथों के अंगों को उठाया और इसकी सूचना पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर को फोन कर दी।

खालिस्तानी और पाकिस्तानी प्रोपेगेंडा फैलाने वाले 20 यूट्यूब चैनल पर मोदी सरकार की सर्जिकल स्ट्राइल

नई दिल्ली।

केंद्र की मोदी सरकार ने बड़ी कार्रवाई करते हुए खालिस्तानी और पाकिस्तानी प्रोपेगेंडा फैलाने वाले 20 यूट्यूब चैनल पर रोक लगा दी है। खुफिया एजेंसियों और सूचना और प्रसारण मंत्रालय के संयुक्त प्रयास से यूट्यूब पर 20 चैनलों भारत विरोधी प्रचार और फेक न्यूज फैलाने वाली दो वेबसाइटों को बैन कर दिया गया है। चैनल और वेबसाइट का लिंक पाकिस्तान से था।वे भारत से संबंधित विभिन्न संवेदनशील विषयों के बारे में फेक न्यूज फैला रहे थे।चैनलों का उपयोग कश्मीर,भारतीय सेना, भारत में अल्पसंख्यक समुदायों, राम मंदिर, जनरल बिपिन रावत, आदि जैसे विषयों पर विभाजनकारी कंटेंट पोस्ट करने के लिए किया गया था। भारत विरोधी दुष्प्रचार अभियान के तौर-तरीकों में द नया पाकिस्तान ग्रुप (एनपीजी) शामिल है, जो पाकिस्तान से संचालित होता है। इसके पास यूट्यूब चैनलों का एक नेटवर्क है। कुछ यूट्यूब चैनल हैं, जो एनपीजी से संबंधित नहीं हैं।इन चैनलों के पास35 लाख से अधिक सब्सक्राइवर हैं। उनके वीडियो को 55 करोड़ से अधिक बार देखा गया था। एनपीजी के कुछ यूट्यूब चैनल पाकिस्तानी समाचार चैनलों के एंकर द्वारा संचालित किए जा रहे थे। यूट्यूब चैनलों ने किसान आंदोलन और सीएए से संबंधित मुद्दों पर भी पोस्ट किए थे। इसके अलावा अल्पसंख्यकों को भारत सरकार के खिलाफ भड़काने की कोशिश की थी। इस बात की आशंका थी कि इन यूट्यूब चैनलों का इस्तेमाल पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों को भी प्रभावित करने के लिए भी किया जाता।मंत्रालय ने देखा कि अधिकांश पोस्ट संवेदनशील विषयों पर थे, जो कि राष्ट्रीय सुरक्षा के परिप्रेक्ष्य और तथ्यात्मक रूप से गलत थे। इसका इस्तेमाल मुख्य रूप से पाकिस्तान से भारत के खिलाफ एक दुष्प्रचार नेटवर्क के रूप में किया जा रहा था।

कोलकाता नगर निगम चुनाव टीएमसी की बंपर जीत, भाजपा के खाते में गई 3 सीटें

कोलकाता (एजेंसी)।

नगर निगम चुनाव में ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को बड़ी जीत मिली है। जबकि कांग्रेस, लेफ्ट और भाजपा को निराशा हाथ लगी है।बता दें कि 144 वार्ड में से 134 पर टीएमसी या जीत चुकी है या बढ़त बनाए हुए है। वहीं बंगाल विधानसभा में विपक्ष की भूमिका निभा रही भाजपा दिखाई नहीं दे रही हैं।वहीं शुभेंदु अधिकारी राज्य चुनाव आयोग के कमिश्नर और कोलकाता पुलिस पर जमकर हमला बोल रहे हैं। ममता की पार्टी ने कोलकाता नगर निगम की सत्ता पर लगातार तीसरी बार कब्जा कर लिया। एक सौ चौवालीस सदस्यीय निगम में टीएमसी ने 89 वार्डों पर जीत दर्ज कर ली है और बाकी सीटों पर आगे चल रही है। भाजपा ने अब तक 3 सीट जीती है। टीएमसी के एमसी में बहुमत का आंकड़ा पार कर चुकी है। जबकि कांग्रेस ने दो सीटों पर फतह हासिल की है, लेकिन माकपा नीत वाम मोर्चा का सूपड़ा साफ हो चुका। अभी कुछ वार्डों पर मतगणना जारी है और दो वार्डों से वाम मोर्चा आगे चल रहा है। दीदी ने केएमसी चुनाव में जीत दर्ज करने वाले उम्मीदवारों को बधाई दी।उन्होंने ट्वीट किया कि अत्यंत परिश्रम और कृतज्ञता के साथ लोगों की सेवा करना याद रखें ! मैं एक बार फिर हम पर विश्वास करने के लिए केएमसी के प्रत्येक निवासी को तहे दिल से धन्यवाद देती हूं। ममता ने कहा कि ये राष्ट्रीय राजनीति के लिए भी एक जीत है, अन्य राजनीतिक पार्टियों भाजपा, कांग्रेस और माकपा को लोगों ने हरा दिया। ये जनादेश हमें विकास और लोगों के लिए काम करने में मदद करेगा, हम लोगों के लिए और ज़्यादा काम करने वाले है।

घरों की छतों पर स्थापति सौर ऊर्जा क्षमता तिगुनी होकर 1,300 मेगावॉट हुई

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

भारत में छत पर लगे सौर पैनल से पैदा होने वाली बिजली की उत्पादन क्षमता जनवरी-सितंबर 2021 में एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले तिगुनी होकर 1,300 मेगावॉट हो गई। रूफटॉप सोलर मार्केट रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2021 के पहले नौ महीनों में भारत की छतों पर सौर क्षमता 1300 मेगावॉट रही जो वर्ष 2020 की समान अवधि की तुलना में 202 प्रतिशत अधिक है। यह साल के नौ महीनों में अब तक की सर्वाधिक वृद्धि है। अगर तिमाही प्रदर्शन पर गौर करे तब जुलाई-सितंबर 2021 में छत पर लगे पैनल से पैदा होने वाली सौर बिजली की मात्रा 448 मेगावॉट बढ़ी।लेकिन यह अप्रैल-जून तिमाही में हुई 521 मेगावॉट क्षमता की वृद्धि से करीब 14 प्रतिशत कम है। हालांकि जुलाई-सितंबर 2020 की तुलना में क्षमता वृद्धि 189 प्रतिशत अधिक रही। रिपोर्ट के मुताबिक, जुलाई-सितंबर 2021 में छतों पर लगी सौर बिजली की स्थापित क्षमता में 54 प्रतिशत हिस्सा आवासीय क्षेत्र का रहा। वाणिज्यिक एवं औद्योगिक परिसरों की छतों पर लगे सौर पैनल का हिस्सा 44 प्रतिशत और सरकारी क्षेत्र का हिस्सा दो प्रतिशत रहा। खास बात यह है कि यह लगातार दूसरी तिमाही है, जब रुफटॉप सौर पैनल लगाने के मामले में आवासीय क्षेत्र सबसे आगे रहा है। इसके पहले अप्रैल-जून तिमाही में भी आवासीय क्षेत्र का प्रदर्शन अच्छा रहा था। इन आंकड़ों पर कहा, छतों पर लगने वाले सौर पैनल के बाजार में सुधार होकर यह कोविड-पूर्व स्तर पर पहुंच गया है।हालांकि उपकरणों की लागत बढ़ने और सामग्री की उपलब्धता कम होने से वृद्धि प्रभावित हो रही है।रिपोर्ट के मुताबिक सितंबर 2021 के अंत में छतों पर सौर पैनल की कुल स्थापित क्षमता बढ़कर 6,700 मेगावॉट हो गई। इसमें सबसे ज्यादा अंशदान गुजरात का है,जिसकी हिस्सेदारी 26 प्रतिशत है।

अखिलेश यादव बोले-

सपा की सरकार बनने पर तीन महीने के भीतर कराएंगे जाति आधारित जनगणना

मैनपुरी (एजेंसी) ।

समाजवादी पार्टी (सपा) के मुखिया अखिलेश यादव ने मंगलवार को बड़ा बयान देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के बाद राज्य में पार्टी की सरकार बनने पर तीन महीने के अंदर जाति आधारित जनगणना कराकर आबादी के हिसाब से सभी को हक और सम्मान दिया जाएगा। अखिलेश ने सीबीआई, आयकर विभाग और प्रवर्तन निदेशालय को भाजपा के प्रकोष्ठ करार दिया और यह भी दावा किया कि सपा को मिल रहे जनसमर्थन से घबराई भाजपा ने उसके मुकाबले अपने छह रथ मैदान में उतार दिए हैं, लेकिन वे सपा के रथ को टक्कर नहीं दे पा रहे हैं। सपा अध्यक्ष ने यहां समाजवादी विजय रथ यात्रा के दौरान एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, हम और आप पर आरोप लगता है कि हम किसी का हक छीन रहे हैं, लेकिन जातीय जनगणना से सब कुछ साफ हो जाएगा। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर तीन महीने के अंदर जातीय जनगणना की जाएगी और आबादी के हिसाब से सभी को हक और सम्मान दिया जाएगा। जनता जानती है कि हमने जो भी वादे किए उन्हें पूरा किया है। अखिलेश ने अपने चाचा शिवपाल सिंह यादव कि प्रगतिशील समाजवादी पार्टी से गठबंधन का जिक्र करते हुए कहा, जैसे ही हमने उनकी पार्टी को साथ लिया, तो दिल्ली से भाजपा के आईटी प्रकोष्ठ, सीबीआई प्रकोष्ठ और ईडी प्रकोष्ठ सक्रिय हो गए। अब जैसे-जैसे चुनाव करीब आएगा और भाजपा को हार का डर सताएगा तब यह दिल्ली वाले उत्तर प्रदेश में और भी ज्यादा आएंगे। अखिलेश का इशारा पिछले दिनों अपने कुछ करीबी सहयोगियों के यहां आयकर विभाग के छापों की तरफ था। उन्होंने भाजपा द्वारा उत्तर प्रदेश के छह स्थानों से जन विश्वास यात्रा शुरू किए जाने पर तंज करते हुए कहा, जनता ने जब से सपा की रथ यात्रा को जोरदार समर्थन देना शुरू किया है तब से भाजपा को घबराहट होने लगी है। उसी का नतीजा है कि सपा के एक रथ के मुकाबले भाजपा के छह रथ निकल रहे हैं। मगर हमारा एक रथ उन सभी पर भारी है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा पर सरकारी धन खर्च करके रैलियां आयोजित कराने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा की रैली जनता की नहीं होती बल्कि सरकारी रैली होती है और उस पर सरकारी धन खर्च किया जाता है। यहां सपा की जो रैली हो रही है उसमें विशाल संख्या में आए लोग अपने संसाधनों से पहुंचे हैं। अखिलेश ने नौजवानों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि उनका भविष्य सिर्फ सपा की सरकार में ही सुरक्षित है। उन्होंने कहा, हम भरोसा दिलाते हैं। चाहे वह हमारे शिक्षामित्र हों, बीएड वाले या बीपीएड वाले हों, सपा की सरकार बनने पर हम सभी की मदद करेंगे। जब समाजवादी पार्टी सत्ता में थी तो हमने शिक्षामित्रों को सम्मान दिया था। अगर कोई आपकी समस्या का समाधान कर सकता है तो वह समाजवादी पार्टी की सरकार ही है। सपा अध्यक्ष ने भाजपा सरकार पर पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ाकर अपनी कुछ खास कंपनियों को मुनाफा पहुंचाने का आरोप लगाते हुए कहा कि सत्तारूढ़ दल गरीबों की जेब काटकर अमीरों की तिजोरी भरने में मशगूल है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए कहा योगी सिर्फ नाम बदलने, रंग बदलने, शिलान्यास का शिलान्यास और उद्घाटन का उद्घाटन करने में ही उपयोगी हैं। मुख्यमंत्री लाल रंग से घबरा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा संसदीय दल बैठक में किरन रिजिजू ने चुनाव कानून संशोधन विधेयक की महत्ता बताई

नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली के डा. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में मंगलवार को भाजपा संसदीय दल की बैठक हुई। बैठक में कानून मंत्री किरन रिजिजू ने बताया कि देश को चुनाव कानून (संशोधन) विधेयक की आवश्यकता क्यों है। कल लोकसभा में यह विधेयक पारित हुआ था और आज राज्यसभा में पेश किया जाएगा। संसदीय दल की बैठक में गृहमंत्री अमित शाह, पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, प्रह्लाद सिंह पटेल, भूपेंद्र यादव और वी मुरलीधर समेत अन्य नेता शामिल हुए। जेपी नड्डा ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती 'सुशासन दिवस' के रूप में मनाएगी। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बताया, हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि 25 दिसंबर को अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती को सुशासन दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इससे पहले सात दिसंबर को भाजपा की संसदीय दल की बैठक हुई थी, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सदन में भाजपा सदस्यों की सदन में गैरहाजिरी को लेकर फटकार लगाई थी। पीएम ने सदस्यों को चेतावनी दी थी कि 'नहीं बदले तो बदलाव तो होता ही है।' इससे साफ था कि बार-बार चेतावनी मिलने के बावजूद भी जिन सदस्यों के कान पर जूं नहीं रेंग रही है, वे केंद्रीय नेतृत्व की नजरों में हैं।

बसपा सांसद दानिश अली आए कोरोना संक्रमण की चपेट में

नई दिल्ली। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के सांसद कुंवर दानिश अली कोरोना संक्रमण की चपेट में आ गए हैं। उन्होंने ट्वीट कर यह जानकारी दी और अपने संपर्क में आए लोगों से खुद को पृथक-वास में करने की अपील भी की। वह सोमवार को लोकसभा की कार्यवाही में शामिल हुए थे। दानिश अली ने कहा, 'टीके की दोनों खुराक लेने के बाद भी आज मेरे कोविड से संक्रमित होने का पता चला है। कल मैं संसद की कार्यवाही में शामिल हुआ था। मैं अपने संपर्क में आए लोगों से आग्रह करता हूं कि वे अपनी जांच कराएं और खुद को पृथक-वास में रखें। मुझमें हल्के लक्षण हैं और जल्द सेहतमंद होने की उम्मीद है।

भाजपा को श्राप देने पर ट्रोल हुई जया बच्चन, लोग बोले चरम पर जा पहुंचा है अहंकार

नई दिल्ली । समाजवादी पार्टी (सपा) सांसद जया बच्चन सोमवार को राज्यसभा में केंद्र सरकार पर जमकर गरजी। राज्यसभा में अपने खिलाफ की गई एक 'निजी टिप्पणी' से गुस्से में आई जया बच्चन ने कहा सत्ताधारी दल के सदस्यों को अभिशाप लगेगा। उन्होंने कहा कि जल्दी ही उनके 'बुरे दिन' आने वाले हैं। जया बच्चन अपने इस बयान की वजह से सुर्खियों में हैं। सोशल मीडिया पर उनका वीडियो शेयर किया जा रहा है इसके साथ ही यूजर्स भी उनके गुस्से और श्राप देने की आलोचना कर रहे है। सोशल मीडिया यूजर्स ने उनकी प्रतिक्रिया को उनकी बहू और अभिनेत्री ऐश्वर्या रॉय बच्चन को दिल्ली बुलाकर ईडी से पूछताछ करने से भी जोड़ा। सोशल मीडिया पर एक यूजर ने लिखा ऐश्वर्या राय से सवाल करने से राज्यसभा में हंगामा हो जाता है, क्योंकि जया बच्चन (ऐश्वर्या की सास) राज्यसभा में आपा खो बैठती हैं। ऐसा लगता है कि पनामा पेपर लीक मामले में ऐश्वर्या रॉय बच्चन से पूछताछ करने से पहले ईडी को समाजवादी पार्टी से अनुमति लेनी चाहिए। एक अन्य यूजर ने लिखा ऐसा अहंकार! जया बच्चन पूरी तरह से उन्मादी हो रही हैं और नारकोटिक बिल को छोड़कर कुछ भी बोल रही हैं और फिर सभी मर्यादा की रेखा को पार करती हैं और श्राप देती हैं। वहीं एक और यूजर गौरव मिश्रा ने लिखा तो जया बच्चन की बहू से ईडी अगर पूछताछ करे तो 'थाली में छेद' पागल हो जाता है, अहंकार चरम पर है। श्राप, ऐसा कौन करता है? दरअसल, सोमवार को जया बच्चन ने 12 विपक्षी सदस्यों के निलंबन का मुद्दा उठाना चाहा और पीठासीन अध्यक्ष भुवनेश्वर कालिता का नाम लिए बिना उनके बारे में कोई परोक्ष टिप्पणी की। गुस्साई जया बच्चन ने आसन से कहा कि उन्हें निष्पक्ष होना चाहिए। उन्होंने विपक्ष की आवाज को दबाए जाने का आरोप भी लगाया। हंगामे के बीच ही उन्होंने आरोप लगाया कि उनके खिलाफ किसी सदस्य ने निजी टिप्पणी की है और इस मुद्दे पर उन्होंने आसन का संरक्षण मांगा। जया बच्चन ने कहा कि वह कैसे सदन में निजी टिप्पणी कर सकते हैं, आप लोगों के बुरे दिन आएंगे। मैं श्राप देती हूं। वहीं, श्राप दिए जाने पर गुजरात से भाजपा के राज्यसभा सदस्य जुगल ठाकोर ने कहा अभी उनके बुरे दिन चल रहे हैं इसलिए वह बौखला गई हैं, उन्होंने जया बच्चन से माफी मांगने से भी इनकार कर दिया।

गुजरात पंचायत चुनाव के शुरुआती नतीजों में बड़ी संख्या में चुनी गई महिला सरपंच

-राज्य की 8,686 ग्राम पंचायतों और 48,573 वार्डों के लिए रविवार को हुआ था चुनाव

अहमदाबाद। गुजरात में 10 हजार से ज्यादा ग्राम पंचायतों के लिए हुए चुनाव के परिणाम मंगलवार सुबह से आने शुरू हो गए। निकाय चुनाव में बड़ी संख्या में महिलाएं सरपंच का चुनाव जीती हैं। राजकोट गोंडल के नाना महिका, रामनगर, उमावाला, जामकंडोरणा, नवसारी के वेजलपुर, कच्छ के नखत्राणा, सूरत के कामरेज, नर्मदा के नांदेड़, साणंद के ताजपुर, लीलापुर, मानपुर, अरवल्ली जिले के किडीयाद तथा मोरबी, हलवद व कलोल में महिला सरपंचों को विजेता घोषित किया गया है। ज्ञात हो कि गुजरात में रविवार को 8,686 ग्राम पंचायतों और 48,573 वार्डों में 23,000 से अधिक मतदान केंद्रों पर 37,000 मतपेटियों का उपयोग कर मतदान किया गया। निकाय चुनाव में औसतन 77 प्रतिशत से अधिक मतदान किया गया। छोटा उदेपुर के एक गांव में सरपंच का चुनाव लड़ रही मुंबई की मॉडल ऐशा पटेल चर्चा में हैं। करीब 10 से 12 साल मुंबई की मॉडलिंग की दुनिया में रहने के बाद लॉडाउन के दौरान जब गुजरात स्थित अपने गांव आईं तो यहां के गरीब मजदूर परिवारों को देखकर उनका मन द्रवित हो गया। वह अपने घर काम करने वाले एक बालक के घर गई और उनकी मुसीबतों को नजदीक से देखा और महसूस किया। इसके बाद उन्होंने गांव के लोगों की समस्याएं दूर करने का संकल्प लेते हुए सरपंच का चुनाव लड़ने का निश्चय किया। गांव के कुछ लोगों ने उनका विरोध किया, इसको लेकर झगड़े भी हुए, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

पहला कॉलम

काशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण के बाद मंदिर ऐसी भीड़ मानो सावन के सोमवार या शिवरात्रि हो

वाराणसी। काशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण के बाद मंदिर में श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ पड़ा है। मंदिर प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार, दोपहर तीन बजे तक सवा लाख से ज्यादा भक्तों ने बाबा विश्वनाथ के दरबार में हाजिरी लगा दी। सभी भक्त बाबा के दरबार का भव्य रूप देखकर निहाल हो उठे।भीड़ को लेकर स्थानीय दुकानदारों में चर्चा रही कि, जैसे सावन के सोमवार या शिवरात्रि पर भीड़ उमड़ती है, ठीक उसी प्रकार का नजारा आज है। गेट नंबर चार से गोदौलिया-ज्ञानवापी तक लगी कतार खत्म होने का नाम नहीं ले रही है।निर्माण के चलते बंद टिकट की व्यवस्था दोबारा शुरू कर दी गई है।पहले सुगम दर्शन के लिए प्रति व्यक्ति 300 रुपये व आरती के लिए 180 रुपये में टिकट निर्धारित था, उस लागू कर दिया गया है। मंदिर में अव्यवस्था व आम दर्शनार्थियों की भीड़ के चलते कई बार टिकट काउंटर बंद करना पड़ा। आलम ये है कि, बाबा दरबार में दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी है। केवल बनारस ही नहीं बल्कि देश के कई राज्यों और पूर्वांचल के कई जिलों से सुबह से ही भक्त बाबा के भक्त दर्शन करने पहुंचे हैं। हाथ में फूल, माला, प्रसाद लिए श्रद्धालु हर-हर महादेव के जयघोष कर रहे हैं। इसके बाद दर्शन पूजन कर बाबा का आशीर्वाद लेकर सुख समृद्धि की कामना की। दूरदराज से आने वाले श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो, इसके लिए बाहर सुरक्षाकर्मी लोगों की मदद में लगे रहे। गेट पर खड़ी पुलिस, पीएसी के जवान द्वारा लोगों की तलाशी लेने के बाद ही उन्हें अंदर जाने दिया जा रहा।

सीएसबी बैंक को एजेंसी बैंक की सूची में शामिल किया गया

नई दिल्ली। सीएसबी बैंक को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने केंद्र एवं राज्य सरकारों के सामान्य बैंकिंग कामकाज संपादित करने के लिए 'एजेंसी बैंक' की सूची में शामिल किया है। सीएसबी ने कहा कि इस नामांकन के बाद वह केंद्र एवं राज्य सरकारों के सामान्य बैंकिंग कामकाज को कर सकेगा। बैंक ने कहा, आरबीआई के एक एजेंसी बैंक के तौर पर सीएसबी बैंक को अब कर संग्रह, पेंशन भुगतान, स्टांप शुल्क संग्रह जैसे कार्यों के लिए केंद्र एवं राज्यों की सरकारों के साथ समझौता करने के लिए अधिकृत हो चुका है। इसके अलावा अब सीएसबी बैंक स्रोत पर कर कटौती, वस्तु एवं सेवा कर, स्टांप शुल्क, पंजीकरण, संपत्ति कर, मूल्य-वर्द्धित कर और पेशेवर कर से संबंधित लेनदेन भी कर पाएगा। सीएसबी बैंक के खुदरा बैंकिंग प्रमुख ने अपने बैंक के लिए बढ़िया मौका बताकर कहा, देश भर में फैली अपनी 562 शाखाओं के साथ हम सरकार से संबंधित बैंक सेवाएं दे पाएंगे।

भारत ने इन 20 यूट्यूब अकाउंट्स पर लगाए बैन

नई दिल्ली । भारत सरकार ने बड़ी कार्रवाई करते हुए खालिस्तानी और पाकिस्तानी प्रोपेगेंडा फैलाने वाले 20 यूट्यूब चैनल पर प्रतिबंध लगा दिया है। खुफिया एजेंसियों और सूचना और प्रसारण मंत्रालय के संयुक्त प्रयास से यूट्यूब पर 20 चैनलों भारत विरोधी प्रचार और फेक न्यूज फैलाने वाली दो वेबसाइटों को बैन कर दिया गया है। चैनल और वेबसाइट का लिंक पाकिस्तान से था। वे भारत से संबंधित विभिन्न संवेदनशील विषयों के बारे में फेक न्यूज फैला रहे थे। चैनलों का उपयोग कश्मीर, भारतीय सेना, भारत में अल्पसंख्यक समुदायों, राम मंदिर, जनरल बिपिन रावत, आदि जैसे विषयों पर विभाजनकारी कंटेंट पोस्ट करने के लिए किया गया था। भारत विरोधी दुष्प्रचार अभियान के तौर-तरीकों में द नया पाकिस्तान ग्रुप (एनपीजी) शामिल है, जो पाकिस्तान से संचालित होता है। इसके पास यूट्यूब चैनलों का एक नेटवर्क है। कुछ यूट्यूब चैनल ऐसे भी हैं जो एनपीजी से संबंधित नहीं हैं। उन चैनले कों पास 35 लाख से अधिक सब्सक्राइवर हैं। उनके वीडियो को 55 करोड़ से अधिक बार देखा गया था। एनपीजी के कुछ यूट्यूब चैनल पाकिस्तानी समाचार चैनलों के एंकर द्वारा संचालित किए जा रहे थे। यूट्यूब चैनलों ने किसान आंदोलन और सीएए से संबंधित मुद्दों पर भी पोस्ट किए थे। इसके अलावा अल्पसंख्यकों को भारत सरकार के खिलाफ भड़काने की कोशिश की थी। इस बात की आशंका थी कि इन यूट्यूब चैनलों का इस्तेमाल पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों को भी प्रभावित करने के लिए भी किया जाता। मंत्रालय ने देखा कि अधिकांश पोस्ट संवेदनशील विषयों पर थे, जो कि राष्ट्रीय सुरक्षा के परिप्रेक्ष्य और तथ्यात्मक रूप से गलत थे। इसका इस्तेमाल मुख्य रूप से पाकिस्तान से भारत के खिलाफ एक दुष्प्रचार नेटवर्क के रूप में किया जा रहा था।

फिया राज ख़त्म होने का सबसे बड़ा फायदा यूपी की बहनों और बेटियों को मिला है: पीएम मोदी

- प्रधानमंत्री ने प्रयागराज का दौरा किया और एक कार्यक्रम में भाग लिया, जिसमें लाखों महिलाएं उपस्थित थीं

- प्रधानमंत्री ने स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को 1,000 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए, जिससे लगभग 16 लाख महिला सदस्यों को लाभ मिलेगा

नई दिल्ली/प्रयागराज (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रयागराज का दौरा किया और महिलाओं को विशेष रूप से जमीनी स्तर पर सशक्त बनाने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लिया। प्रधानमंत्री ने स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के बैंक खातों में 1,000 करोड़ रुपये की धनराशि हस्तांतरित की, जिससे एसएचजी की लगभग 16 लाख महिला सदस्यों को लाभ मिलेगा। धनराशि का यह हस्तांतरण दीनदयाल अंत्योदय योजना- राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम) के तहत किया जा रहा है, जिसमें 80,000 एसएचजी, सामुदायिक निवेश कोष (सीआईएफ) के अंतर्गत 1.10 लाख रुपये प्रति एसएचजी और 60,000 एसएचजी, चक्रीय निधि (रिवाल्विंग फंड) के रूप में 15,000 रुपये प्रति एसएचजी प्राप्त कर रहे हैं। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने 20,000 व्यवसाय प्रतिनिधि-सखियों (बीसी-सखियों) के खातों में पहले महीने के मानदेय के रूप में 4,000 रुपये हस्तांतरित करके बीसी-सखियों को प्रोत्साहन प्रदान किया। कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के तहत 1 लाख से अधिक लाभार्थियों को कुल 20 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि हस्तांतरित की। प्रधानमंत्री ने पूरक पोषण निर्माण की 202 इकाइयों की आधारशिला रखी। प्रधानमंत्री ने हिंदी साहित्य के महान रचनाकार आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि प्रयागराज हजारों सालों से हमारी मातृशक्ति की प्रतीक मां गंगा-यमुना-सरस्वती के संगम की धरती रही है। उन्होंने कहा कि आज ये तीर्थ नगरी नारी-शक्ति के इतने अद्भुत संगम की भी साक्षी बन रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में महिला सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे कार्यों को पूरा देश देख रहा है। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना जैसे कार्यक्रम, जिसके तहत उन्होंने आज राज्य की एक लाख से अधिक लाभार्थी बेटियों के खातों में करोड़ों रुपये हस्तांतरित किए, गांव-गरीब के लिए, बेटियों के लिए भरोसे का बहुत बड़ा माध्यम बन रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने यूपी की महिलाओं को जो सुरक्षा दी है, जो सम्मान दिया है, उनकी गरिमा बढ़ाई है, वो अभूतपूर्व है। प्रधानमंत्री ने कहा, उत्तर प्रदेश की महिलाओं ने, माताओं-बहनों-बेटियों ने ठान लिया है- अब वो पहले वाला दौर, वापस नहीं आने देंगी। प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया कि सरकार ने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान द्वारा लिंग चयनात्मक गर्भपात को रोकने के लिए समाज की चेतना को जगाने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि इसके परिणामस्वरूप कई राज्यों में बेटियों की संख्या में वृद्धि हुई है। प्रधानमंत्री ने कहा हमने गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण, अस्पतालों में डिलीवरी और गर्भावस्था के दौरान पोषण पर विशेष ध्यान दिया। प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना के तहत गर्भावस्था के दौरान 5 हज़ार रुपये महिलाओं के बैंक खाते में जमा किए जाते हैं, ताकि वो उचित खान-पान का ध्यान रख सकें।

माइनस डिग्री पारे के बीच कश्मीर में पाइपों में जम गया पानी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

उत्तर भारत सहित, बिहार, जम्मू-कश्मीर आदि में हाड़कंपा देने वाली ठंड ने यहां का जीवन अस्तव्यस्त कर दिया है। शीतलहर के प्रकोप ने लोगों को घरों के अंदर दुबके रहने पर मजबूर कर दिया है। पंजाब के अमृतसर समेत अन्य शहरों में मंगलवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। राजधानी दिल्ली के प्रदूषण स्तर की बात करें तो आज भी यह 'बहुत खराब' रही और एयर क्वालिटी इंडेक्स 316 दर्ज किया गया। मुंबई और पुणे का एक्यूआई भी 'खराब' दर्ज किया गया है।राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत उत्तर भारत में सर्दी का कहर जारी है। दिल्ली में मंगलवार सुबह पारा चार डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली के सफदरजंग इलाके में न्यूनतम तापमान सुबह 8:30 बजे 4 डिग्री सेल्सियस रहा। बीते दिन राजधानी का न्यूनतम तापमान 3.2 डिग्री था। दिल्ली के अलावा, उत्तर प्रदेश, बिहार, जम्मू-कश्मीर आदि में भी कड़ाके की सर्दी पड़ रही है। पंजाब के अमृतसर समेत अन्य शहरों में मंगलवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। राजस्थान के कई जिलों में भी कड़ाके की सर्दी पड़ रही है।

बर्फ पिघलाने लेना पड़ा आग का सहारा

ठंड का कहर इतना है कि ओस की बूंदे भी बर्फ बन जा रही हैं। वहीं, दिल्ली के पॉल्यूशन लेवल की बात करें तो आज भी यह 'बहुत खराब' रही और एयर क्वालिटी इंडेक्स 316 दर्ज किया गया। मुंबई और पुणे का एक्यूआई भी 'खराब' दर्ज किया गया है। मध्य और पूर्वी भारत में शीतलहर की स्थिति बनी रहेगी। हालांकि, इसके बाद राहत मिलने की संभावना है। बता दें कि मैदानी इलाकों में आईएमडी न्यूनतम तापमान चार डिग्री सेल्सियस तक गिरने पर शीतलहर की घोषणा करता है। न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस या उससे कम होने और सामान्य से 4.5 डिग्री कम होने पर भी शीतलहर घोषित की जाती है।

उत्तर-पश्चिमी हवाओं के चलते समूचे उत्तर भारत में आई तापमान में गिरावट और सर्द हवा ने लखनऊ में भी लोगों का मुश्किलें बढ़ा दी हैं। लोग घरों में दुबके बैठे हैं जिनको घर से बाहर निकलना है उनके लिए तापमान में आई गिरावट और सर्द हवाओं ने मुश्किलें बढ़ा दी हैं। बीते दो दिनों से लखनऊ में तापमान 6 डिग्री से 7 डिग्री रह रहा है।

कोलकाता: पूर्व मेदिनीपुर जिले के हल्दिया में इंडियन आयल रिफाइनरी में भीषण आग से तीन की मौत, 40 घायल

कोलकाता (एजेंसी)।

बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिले के हल्दिया में स्थित इंडियन आयल कार्पोरेशन की रिफाइनरी में मंगलवार को भीषण आग लग गई। जानकारी के अनुसार, इस अग्निकांड में 44 लोग झुलस गए, जिसमें से तीन की मौत हो गई है। हादसे में घायल बाकी 41 लोगों का इलाज चल रहा है, जिसमें से कई की हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है। इंडियन आयल ने भी इस हादसे पर बयान जारी कर इसकी पुष्टि की है। पुलिस के अनुसार, घायलों में से 16 लोगों को ग्रीन कारिडोर बनाकर इलाज के लिए कोलकाता लाया गया है। इंडियन आयल की ओर से जारी बयान में बताया गया है कि यह हादसा अपराह्न करीब दो बजकर 50 मिनट पर हुआ। रिफाइनरी में माक ड्रिल का आयोजन किया गया था और इसके बाद एक प्लांट के एमएसक्यू यूनिट में शटडाउन का काम चल रहा था। इसी दौरान अचानक जोरदार धमाका हुआ और भीषण आग लग गई। आग पर काबू पा लिया गया है और स्थिति अब नियंत्रण में है। बयान में बताया गया कि आग में कुल 44 लोग झुलस गए और इसमें से तीन लोगों ने दुर्भाग्य से दम तोड़ दिया।

पीएम मोदी ने पिछले 5 वर्षों में क्यों नहीं की घोषणाएं : प्रियंका गांधी

लखनऊ(एजेंसी)।

यूपी में 2022 विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस महासचिव और पार्टी उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा की सक्रियता बढ़ गई है उन्होंने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और कहा कि प्रधानमंत्री ने 5 सालों में घोषणाएं क्यों नहीं की? खबरों के मुताबिक कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि उत्तर प्रदेश की महिलाओं से मैंने कहा था कि आप अपनी शक्ति पहचानों, आज आपकी शक्ति के सामने इस देश के प्रधानमंत्री झुक रहे हैं। उन्होंने ये घोषणाएं 5 सालों में क्यों नहीं की? चुनाव से पहले क्यों कर रहे हैं? महिलाएं हमारे (लड़की हूं, लड़ सकती हूं) नारे से जाग गई हैं। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रयागराज में महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कई घोषणाएं की। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि बेटियां कोख में ही ना मारी जाएं, वो जन्म लें, इसके लिए हमने 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान के माध्यम से समाज की चेतना को जगाने का प्रयास किया। आज परिणाम ये है कि देश के अनेक राज्यों में बेटियों की संख्या में बहुत वृद्धि हुई है। इसके अलावा प्रसव के बाद भी बिना चिंता के अपने बच्चे की शुरुआती देखरेख करते हुए मां अपना काम जारी रख सकें। इसके लिए महिलाओं की छुट्टी को 6 महीने किया गया है।

इतना ही नहीं प्रधानमंत्री मोदी ने महिलाओं का बराबरी का भागीदार बनाने की बात पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि रोजगार के लिए, परिवार की आमदनी बढ़ाने के लिए जो योजनाएं देश चला रहा है, उसमें भी महिलाओं को बराबर का भागीदार बनाया जा रहा है। मुद्रा योजना आज गांव-गांव में, गरीब परिवारों से भी नई-नई महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित कर रही है।

वैक्सीन प्रमाणपत्र से पीएम मोदी की तस्वीर हटाने संबंधी याचिका को केरल हाईकोर्ट ने खारिज किया

कोच्चि। केरल हाईकोर्ट ने कोविड-19 टीकाकरण प्रमाण-पत्रों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर हटाने वाली याचिका पर सुनवाई से इंकार करते हुए मंगलवार को इसे खारिज कर दिया और उसे 'तुच्छ', 'राजनीति से प्रेरित' और 'प्रचार हित की याचिका' बताते हुए याचिकाकर्ता पर एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया। न्यायमूर्ति पीवी कुन्हीकृष्णन ने याचिकाकर्ता पीटर मयालीपरम्पिल को छह सप्ताह के भीतर केरल राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण (केएलएसए) के पास जुर्माना जमा करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि निर्धारित अवधि के भीतर जुर्माना जमा नहीं करने की सूरत में, केएलएसए उसके खिलाफ राजस्व वसूली की कार्यवाही शुरू करके याचिकाकर्ता की संपत्ति से राशि की वसूली करेगा। कोर्ट ने कहा कि लोगों और समाज को यह बताने के लिए जुर्माना लगाया जा रहा है कि इस तरह की तुच्छ दलीलें जो न्यायिक समय बर्बाद करती हैं, उन पर अदालत विचार नहीं करेगी। अदालत ने यह भी कहा कि याचिकाकर्ता ने प्रधानमंत्री की तस्वीर और टीकाकरण प्रमाण पत्र पर 'मनोबल बढ़ाने वाले उनके संदेश' पर जो आपत्ति जताई है, ऐसा करने की 'देश के किसी नागरिक से अपेक्षा नहीं' है। पिछली सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति पीवी कुन्हीकृष्णन ने जवाहरलाल नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ लीडरशिप में काम करने वाले याचिकाकर्ता से पूछा कि कोविड-19 वैक्सीन प्रमाणपत्रों पर पीएम मोदी की तस्वीर का इस्तेमाल पूर्व पीएम नेहरू के नाम पर एक विश्वविद्यालय का नाम रखे जाने से कैसे अलग है।

2014 से पहले 'लिंचिंग' शब्द सुनने में नहीं आता था : राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए हमला बोला है। पंजाब और कुछ अन्य जगहों पर भीड़ द्वारा पीट-पीटकर कथित तौर पर मार डालने (लिंचिंग) की हालिया घटनाओं की के संदर्भ में उन्होंने ट्वीट कर मोदी सरकार पर निशाना साधा है।

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि साल 2014 में नरेंद्र मोदी सरकार बनने से पहले लिंचिंग शब्द सुनने में नहीं आता था। उन्होंने 'थैंक्यू मोदी जी' हैशटैग के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए ट्वीट किया, '2014 से पहले 'लिंचिंग' शब्द सुनने में भी नहीं आता था।'

राहुल के इस आरोप के बाद भाजपा उन पर पलटवार कर रही है। भाजपा प्रवक्ता अमित मालवीय ने ट्विटर पर एक वीडियो साझा करते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने राजीव गांधी को मॉब लिंचिंग का जनक बताया। अपने ट्वीट में अमित मालवीय ने लिखा कि राजीव गांधी तो मॉब लिंचिंग के जनक थे जिन्होंने सिखों के खून से लथपथ नरसंहार को सही ठहराया था।

इसके साथ ही अमित मालवीय ने दावा किया कि कांग्रेस के कई नेता सड़कों पर उतरे और खून का बदला खून से लेंगे जैसे नारे लगाए। महिलाओं के साथ दुष्कर्म किया, सिख पुरुषों के गले में जलते टायर लपेटे गए जबकि कुत्तों को नाले में फेंके गए जले हुए शवों के पास ले जाया गया। इससे पहले भी लिंचिंग को लेकर जिस तरीके से विपक्ष और सरकार के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर लगातार चलता रहता है। उससे आने वाले दिनों में राजनीतिक घमासान और भी देखने को मिल सकते हैं।

हिंद महासागर पर नजरे गड़ाए चीन की मंशा एशिया पर चौधराहट गांठने की

नई दिल्ली (एजेंसी)।

ड्रैगन की हिंद महासागर पर बढ़ती गतिविधियां उसके मंशूबों को उजागर करती हैं। चीन हिंद महासागर पर नियंत्रण के जरिए एशिया पर प्रभुत्व जमाने की मंशा रखता है। विश्व की भवितव्यता का निर्णय इसके जल तल पर होगा। वैसे तो ये कथन दशकों पुराने हैं लेकिन वर्तमान संदर्भ में ये सच होता प्रतीत हो रहा है। हिंद महासागर को नियंत्रित करने के लिए युद्ध शुरू हो गया है। चीनी सेना भीतरखाने से भारत को चुनौती देने की फिराक में लगा है। हिंद महासागर विश्व का तीसरा सबसे बड़ा महासागर है। यह लगभग 20 प्रतिशत पानी की सतह को कवर करता है।

दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती मनमानी से तो हर कोई वाकिफ है। अब दूसरी तरफ हिंद महासागर में वर्चस्व बढ़ाने के लिए चीन तैयारियों में लगा है। चीन हिंद महासागर में अपने एक मिलिट्री बेस बनाने की मंशा पाले है। हिंद महासागर में मौजूद अलग अलग छोटे देशों के साथ भारत अपने संबंधों को और मजबूती तो दे ही रहा है, इसके साथ ही अंतर्राष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट में दावा किया है कि हिंद महासागर में भारत काफी मजबूती के साथ एक नौसेना अड्डे का निर्माण कर रहा है और भारत का मकसद हिंद महासागर में अपना रुतबा बढ़ाने के साथ साथ वर्चस्व भी कायम करना है। चीन इस वजह से क्यों हावी होना चाहता था? क्योंकि इसकी अर्थव्यवस्था इस पर निर्भर करती है। चीन को आर्थिक हितों की रक्षा के लिए हिंद महासागर की जरूरत है। इन आंकड़ों पर ध्यान से गौर करें। 80 प्रतिशत के करीब तेल दो समुद्री मार्गों से आयात किया जाता है- 1- हिंद महासागर, 2- मलक्का ट्रेट वर्तमान में दोनों ही रास्ते चीनी नियंत्रण से बाहर के हैं। मध्य पूर्व अफीका और यूरोप के साथ चीन का 95 प्रतिशत व्यापार हिंद महासागर से होकर गुजरता है। हिंद महासागर हमेशा से बड़ी ताकतों के स्ट्रैटिजिक रेडार पर रहा है क्योंकि यह जलक्षेत्र तेल, खनिज, मछली जैसे संसाधनों से भरपूर है। दुनिया भर के कारोबार का बड़ा हिस्सा इसी रूट से गुजरता है। भारत में आर्थिक विकास के लिए भी यह जरूरी है कि उसकी ब्लू इकॉनमी (अर्थव्यवस्था का समुद्र से जुड़ा पहलू) में तेजी आए। भारत के तेल आयात का भी बड़ा हिस्सा हिंद महासागर के रूटों से ही गुजरता है। ऐसे में जरूरी है कि भारत हिंद महासागर में ताकत बने और जलक्षेत्र से जुड़े पड़ोसी देशों का विश्वास हासिल करे।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा

मोबाईल:-987914180

या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार

भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com